खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-103

# भले शादी टूटे, समझौते की पवित्रता सुप्रीम

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।**

सुप्रीम कोर्ट में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां घरेलू विवाद में पहले तो पत्नी ने समझौता किया और फिर अंतिम क्षणों में पति पर केस ठोक दिया। पत्नी के इस आचरण से नाराज शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए 23 साल पुरानी शादी भंग कर दी और साथ ही घरेलू हिंसा का मामला भी रद्द कर दिया। वरिष्ठ वकील प्रभजोत जौहर के अनुसार, यह फैसला वैवाहिक विवादों में समझौते की पवित्रता को लेकर बेहद महत्व-पूर्ण है।

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि आपसी सहमति से तलाक के मामले में कोई भी पक्ष अंतिम आदेश से पहले अपनी सहमति वापस ले सकता है, लेकिन अगर दोनों पक्षों के बीच सभी विवादों का पूर्ण और अंतिम समझौता हो चुका है, तो उस समझौते से पीछे हटना मंजूर नहीं किया जाएगा। यह टिप्पणी जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने उस मामले में की, जहां पत्नी ने कोर्ट द्वारा मान्य मध्यस्थता समझौते से पीछे हटने की कोशिश की।

जस्टिस विजय विश्नोई द्वारा लिखे फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून के तहत सहमति वापस लेना संभव है, लेकिन पूरा और अंतिम समझौता होने के बाद उसकी शर्तों से मुकरना सही नहीं है। एक बार मध्यस्थता में हुआ समझौता और कोर्ट द्वारा मंजूर होने के बाद वही आगे का आधार बन जाता है। ऐसे समझौतों से पीछे हटना मध्यस्थता सिस्टम को कमजोर करता है। बिना उचित कारण समझौते से पीछे हटने पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

**120 करोड़ के गहने और 50 करोड़ का सोना**

पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में दावा किया था कि समझौते के अलावा पति ने 120 करोड़ की ज्वेलरी और 50 करोड़ के सोने के बिस्किट वापस देने का वादा किया था, जिसमें टैक्स बचाने के लिए लिखित में नहीं रखा गया।

इस पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की दलील देना न्याय व्यवस्था के प्रति गंभीर असम्मान है। कोर्ट ने कहा कि 23 साल की शादी में पहली बार घरेलू हिंसा का मामला उठाया गया। यह केस बाद में और जानबूझकर दर्ज किया गया, ताकि विवाद जारी रखा जा सके।

कोर्ट ने साफ किया कि समझौते से केवल इन स्थितियों में ही पीछे हट सकते हैं, अगर समझौता धोखाधड़ी, दबाव या गलत जानकारी से हुआ हो, या दूसरे पक्ष ने अपनी शर्तें पूरी न की हों। ▶8पर

# मोदी का 'चक्रव्यूह'

## आज पेश होंगे महिला आरक्षण और परिसीमन बिल

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।** भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 16 अप्रैल 2026 (गुरुवार) एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज होने जा रहा है. इस दिन संसद का विशेष सत्र शुरू हो रहा है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे. इनका उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को पूरी तरह ऑपरेशनलाइज करना है। यह कदम न केवल देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई ऊंचाई देगा, बल्कि लोकसभा की विधायी संरचना को भी बदल देगा। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में पेश करने के लिए तीन बिलों की सूची जारी की है। इनका मकसद 2029 तक महिलाओं के लिए आरक्षण कानून को लागू करना और लोकसभा की सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 तक करना है। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 को लोकसभा में पेश किया जाएगा और इन्हें पारित करने से पहले इन बिलों पर लंबी चर्चा होगी। जहां केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पहले दो बिल पेश करेंगे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीसरा बिल पेश करेंगे। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति ने इस चर्चा के लिए 18 घंटे का समय तय किया है, ▶8पर

## विपक्ष के लिए ईधर कुँआ, उधर खाई

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।**

लोकसभा में सीटें बढ़ाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का विपक्ष विरोध करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग के बाद यह बात कही। मीटिंग खड़गे के घर पर हुई, जिसमें राहुल गांधी और टीएमसी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद गुट) और आप नेता भी शामिल हुए। खड़गे ने कहा कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ा रही है ताकि विपक्ष को दबाया जा सके। इसलिए हमने परिसीमन बिल के विरोध का निर्णय लिया है। पूरा विपक्ष बिल के खिलाफ वोट करेगा। विपक्ष की मीटिंग में दो प्रमुख फैसले लिए गए। पहला, महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया जाए। इसे मौजूदा लोकसभा की 543 सीटों के आधार पर 2029 के चुनाव से ही लागू किया जाए। दूसरा, सारी विपक्षी पार्टियां परिसीमन के प्रावधानों के बिल्कुल खिलाफ हैं। लोकसभा और राज्यसभा की बहस में भाग लेंगे और इसका विरोध करेंगे। ▶8पर

## *सीज़फायर दो हफ्ते और?*

# शांति की ओर

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।**

मिडिल ईस्ट में फैले तनाव के बीच अमेरिका और ईरान सैद्धांतिक रूप से बातचीत करने के लिए सहमत हो गए हैं, लेकिन अभी तक कोई तारीख या स्थान तय नहीं किया गया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से ये खबर सामने आई है। इस खबर के सामने आने के बाद ये संभावना जताई जा रही है कि अगर दोनों देशों के बीच समझौता होता है तो मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो सकता है। संभावना है कि सीजफायर दो हफ्ते के लिए बढाया जा सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच एक राउंड की बातचीत पाकिस्तान में हुई थी लेकिन वो वार्ता असफल साबित हुई थी। एक खबर ये भी है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान पहुंच गए हैं। उनका स्वागत ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने किया है।

दरअसल मध्यस्थ, अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर का आयोजन करने की कोशिश कर रहे हैं। एपी ने सेना के हवाले से यह जानकारी दी है। बता दें कि हाल ही में ट्रंप ने मुनीर की काफी तारीफ की थी, क्योंकि मुनीर दोनों देशों के बीच बातचीत करवाने में अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मुनीर इसीलिए ते-हरान गए हैं कि दोनों देशों के बीच फिर से बातचीत में अपनी भूमिका अदा कर सकें। जानकार मानते हैं कि पाकिस्तान ऐसा करके अमेरिका की नजरों में अपने नंबर बढ़ाना चाहता है क्योंकि वह आतंकवादियों को पनाह देने के मामले में दुनियाभर में बदनाम है। अमेरिका और ईरान की बातचीत में भूमिका निभाकर वह खुद की छवि को सही करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान, आतंकिस्तान है और वह अपनी नापाक हरकतों से कभी नहीं बाज आएगा।

एक्सियोस के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के वार्ताकार संभावित समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हालिया बातचीत और गुप्त प्रयासों के बाद वार्ताकार करीब आ रहे हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थ 21 अप्रैल को युद्धविराम की समय सीमा से पहले मतभेदों को दूर करने में मदद कर रहे हैं, हालांकि समझौते की कोई गारंटी नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देश समझौते के काफी करीब हैं और आने वाले दिनों में बड़ी प्रगति संभव है।

▶8पर

# सबरीमाला विवाद : सुधार बनाम धर्म

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।**

सबरीमाला मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मौखिक रूप से टिप्पणी की कि सामाजिक कल्याण और सुधार के नाम पर किसी धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। मामले की सुनवाई कर रही 9 न्यायाधीशों की पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा अनुच्छेद 25(2)(ख) और अनुच्छेद 26(ख) के तहत किसी धार्मिक संस्था को अपने मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार के बीच परस्पर संबंध पर दिए गए तर्कों को सुनते हुए यह टिप्पणी की।

अनुच्छेद 25(2)(ख) राज्य को सामाजिक कल्याण और सुधार के लिए कानून बनाने या सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थानों को हिंदुओं के सभी वर्गों और समुदायों के लिए खोलने की अनुमति देता है। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की ओर से पेश होते हुए, सिंघवी ने तर्क दिया कि यद्यपि अनुच्छेद 25(2)(ख) के तहत हिंदुओं के सभी संप्रदाय सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थान में प्रवेश की मांग कर सकते हैं, वहीं धार्मिक संप्रदाय को अनुच्छेद 26(ख) के तहत आंतरिक अनुष्ठानों के संचालन को विनियमित करने का अधिकार होगा। उन्होंने अनुच्छेद 25(2)(ख) और अनुच्छेद 26(ख) की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या की वकालत की।

**सरदार सैयदा फैसले का हवाला**

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक अभिषेक मनु सिंघवी ने सरदार सैयदा फैसले (जिसमें बॉम्बे बहिष्कार निवारण अधिनियम को रद्द किया गया था) में की गई टिप्पणी का हवाला दिया कि अनुच्छेद 25(2)(ख) का उद्देश्य किसी धर्म को उसके अस्तित्व या पहचान से मिटाना नहीं है। न्यायमूर्ति बागची ने तब पूछा कि क्या सिंघवी यह तर्क दे रहे हैं कि अनुच्छेद 25(2)(ख) के तहत बनाए गए कानून से ▶8पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $38^0$
न्यूनतम : $27^0$

# पवन खेड़ा को झटका ट्रांजिट बेल पर लगी रोक

**नयी दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।**

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। इस बार उन्हें देश की सर्वोच्च अदालत से झटका लगा है। दरअसल, तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी से बचने के लिए दी गई एक हफ्ते की राहत (ट्रांजिट बेल) पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इसका अर्थ है कि उन्हें मिली अस्थायी राहत अब समाप्त हो गई है। असम सरकार ने इस राहत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने पवन खेड़ा को नोटिस जारी किया है और तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि उन्हें अग्रिम जमानत चाहिए, तो उन्हें असम की ही अदालत का रुख करना होगा।

असम सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील दी कि जब मामला असम में दर्ज है, तो तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा इसमें हस्तक्षेप कर जमानत देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा और उनकी पत्नी दिल्ली में रहते हैं और उनके पहचान पत्र भी वहीं के हैं, ऐसे में केवल किसी अन्य स्थान पर संपत्ति होने से उस क्षेत्र की अदालत को अधिकार नहीं मिल जाता। ▶8पर

# बांग्लादेश में कच्चे तेल की कमी, ईस्टर्न रिफाइनरी की दो इकाइयों में उत्पादन रोकना पड़ा

ढाका

**बांग्लादेश की एकमात्र सरकारी तेल रिफाइनरी ईस्टर्न रिफाइनरी लिमिटेड में कच्चे तेल की कमी के कारण उत्पादन रोक दिया गया है। यह रिफाइनरी चटगांव (अब चटोग्राम) में है। रिफाइनरी की दो मुख्य इकाइयों में मंगलवार दोपहर को उत्पादन निलंबित कर दिया गया।**

हालाकि, तीसरी इकाई आंशिक रूप से चल रही है और बहुत कम मात्रा में पेट्रोल और आक्टेन का उत्पादन कर रही है। ऊर्जा और खनिज संसाधन प्रभाग के प्रवक्ता मोनीर हुसैन चौधरी ने इसकी पुष्टि की। रिफाइनरी के किसी भी अधिकारी ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट के अनुसार, यह संकट कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी के कारण पैदा हुआ है। यह संकट मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष से जुड़ी बाधाओं के कारण और भी गहरा गया है। कच्चे तेल की एक खेप सऊदी अरब में फंसी हुई है। इसके कारण इस महीने की शुरुआत से ही मौजूदा भंडार में कमी आने लगी है।रिफाइनरी 5 अप्रैल से ही वैकल्पिक उपायों के सहारे काम चला रही थी। ईस्टर्न रिफाइनरी आमतौर पर प्रतिदिन लगभग 4,500 टन कच्चे तेल को प्रोसेस करती है, जिससे आक्टेन, पेट्रोल, डीजल और फर्नेस आयल सहित लगभग 13 प्रकार के ईंधन का उत्पादन होता है। कच्चे तेल की कमी के कारण पिछले एक महीने से उत्पादन पहले ही घटकर लगभग 3,500 टन प्रतिदिन रह गया है। बताया गया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण पैदा हुई अस्थिरता के चलते पिछले लगभग दो महीनों से कच्चे तेल का आयात रुका हुआ है। अगली खेप मई के पहले सप्ताह में आने की उम्मीद है। रिफाइनरी की कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता लगभग 150,000 टन है, और यह 250,000 टन तक परिष्कृत ईंधन का भंडारण कर सकती है। सरकार का कहना है कि रिफाइनरी के बंद होने के बावजूद देश में ईंधन की कमी का कोई तत्काल खतरा नहीं है। देश में परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है।यहां तक कि संघर्ष शुरू होने के बाद से सरकार ने ऊंची कीमतों पर भी इन उत्पादों की खरीद की है।

## न्यूज ब्रीफ

### जंग में ईरान को हुआ 270 अरब डालर का नुकसान, संयुक्त राष्ट्र में उठाई मुआवजे की मांग

**जेनेवा।** मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान का दावा करते हुए करीब 270 अरब डालर के मुआवजे की मांग की है। यह मांग संयुक्त राष्ट्र में उठाई गई, जहां ईरान के प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि हमलों में न केवल अमेरिका और इजराइल, बल्कि कुछ क्षेत्रीय देशों की भी भूमिका रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सरकार की प्रवक्ता फातमेह मोहाजेरानी ने कहा कि 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद देश को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि युद्ध के कारण बुनियादी ढांचे, व्यापार और तेल निर्यात पर गंभीर असर पड़ा है, जिससे नुकसान का आंकड़ा 270 अरब डालर तक पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूत ने दावा किया कि पांच क्षेत्रीय देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले करने के लिए किया गया। ऐसे में इन देशों को भी इस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। हालांकि, इन देशों के नाम सार्वजनिक रूप से नहीं बताए, जिससे क्षेत्र में कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है। इस बीच ईरान ने मुआवजा वसूलने के लिए एक नया प्रस्ताव रखा है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर टैक्स लगाने की योजना है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, इसलिए इस प्रस्ताव के लागू होने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा बाजार पर व्यापक असर पड़ सकता है। हालांकि इस बढ़ते तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के बीच संभावित बातचीत की भी खबरें सामने आ रही हैं। क्षेत्रीय देशों की ओर से मध्यस्थता के प्रयास जारी हैं, लेकिन ईरान फिलहाल अपने रुख पर कायम है और पहले नुकसान की भरपाई की मांग कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह विवाद जल्द नहीं सुलझा, तो इसका असर न केवल मध्य पूर्व, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल बाजार पर भी पड़ सकता है।

### अमेरिकी नाकेबंदी को ठेंगा दिखाकर निकले ईरानी जहाज, कुछ नहीं कर पाए ट्रंप के सैनिक

**तेहरान।** होर्मुज की खाड़ी में जारी भीषण तनाव के बीच एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने अमेरिकी नौसेना की ताकत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अमेरिकी प्रशासन द्वारा होर्मुज मार्ग पर सख्त नाकेबंदी (ब्लाकेड) के आधिकारिक ऐलान के कुछ ही घंटों बाद, ईरान के दो विशालकाय जहाज अमेरिकी सुरक्षा घेरे को चुनौती देते हुए बिना किसी नुकसान के वहां से निकल गए। समुद्री जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वैश्विक फर्म केपलर के आंकड़ों ने इस चौंकाने वाले घटनाक्रम का खुलासा किया है। आंकड़ों के अनुसार, जिस समय अमेरिकी युद्धपोत इस रणनीतिक जलमार्ग को पूरी तरह सील करने का दावा कर रहे थे, ठीक उसी दौरान दो ईरानी जहाजों ने सफलतापूर्वक रास्ता पार किया। इतना ही नहीं, एक चीनी जहाज भी रातों-रात इसी प्रतिबंधित क्षेत्र से गुजरने में कामयाब रहा। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने बड़े जोर-शोर से यह घोषणा की थी कि ईरान की तेल आपूर्ति को पूरी तरह ठप करने के लिए होर्मुज को ब्लाक कर दिया गया है। लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। अमेरिकी युद्धपोतों की भारी मौजूदगी के बावजूद ईरानी जहाजों का इस तरह निकल जाना यह संकेत देता है कि या तो इस नाकेबंदी में सुरक्षा की बड़ी खामियां हैं, या फिर ईरान अब अमेरिकी सैन्य शक्ति के दबाव को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

### इंडोनेशिया में चोरी के विवाद में पवित्र ग्रंथ के अपमान पर दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

**जकार्ता।** इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत से ईशनिंदा का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने दो महिलाओं को ईशनिंदा कानून के तहत गिरफ्तार किया है, जिन पर पवित्र ग्रंथ का अपमान करने और इस घटना का वीडियो प्रसारित करने का आरोप है। यह पूरी घटना एक मामूली चोरी के विवाद से शुरू हुई थी, जिसने अब एक गंभीर कानूनी और धार्मिक मोड़ ले लिया है। लेबक जिले की पुलिस के अनुसार, यह मामला 8 अप्रैल का है जब एक सैलून मालकिन ने अपनी ग्राहक पर चोरी का संदेह जताया। जब ग्राहक ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, तो विवाद अपनी बेगुनाही साबित करने की चुनौती तक पहुंच गया। सैलून मालकिन ने ग्राहक को ग्रंथ पर पैर रखकर कसम खाने को कहा। अपनी सच्चाई साबित करने के लिए ग्राहक ने पवित्र ग्रंथ पर पैर रख दिया, जबकि मालकिन ने इस पूरी घटना का वीडियो रिकार्ड कर लिया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पूरे देश में आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसे धार्मिक भावनाओं का घोर अपमान बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। बैंटन पुलिस के प्रवक्ता मारुली अकिलीस हुतापेआ ने पुष्टि की है कि 12 अप्रैल को दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया और उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

# राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर असीम मुनीर की तारीफ कर सभी को चौंकाया, अब आगे रणनीति पर चर्चा

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी अप्रत्याशित कूटनीति से दुनिया को हैरान कर दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता अगले दो दिनों के भीतर शुरू हो सकती है। इस महत्वपूर्ण बातचीत के लिए ट्रंप ने एक बार फिर पाकिस्तान को ही आयोजन स्थल (वेन्यू) के रूप में चुना है। ट्रंप के इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय रणनीतिकारों के बीच नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि हाल ही में इस्लामाबाद में हुई पहले दौर की वार्ता बेनतीजा रही थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यूयार्क में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगले दो दिनों में कुछ बड़ा होने की संभावना है। उन्होंने किसी अन्य देश के बजाय पाकिस्तान में ही बातचीत जारी रखने का तर्क देते हुए कहा कि हमें ऐसे स्थान पर जाने की जरूरत नहीं है जिसका इस पूरे मामले से सीधा सरोकार न हो। इस दौरान ट्रंप का सबसे चौंकाने वाला रुख पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के प्रति रहा। ट्रंप ने मुनीर की कार्यशैली की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें अपना पसंदीदा फील्ड मार्शल करार दिया। जानकारों का मानना है कि पिछले वर्ष क्षेत्रीय तनाव कम करने में मुनीर की भूमिका से ट्रंप काफी प्रभावित हैं। बता दें कि पिछले शनिवार को इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली अमेरिका-ईरान की पहली उच्चस्तरीय बैठक बिना किसी ठोस परिणाम के खत्म हो गई थी। अब होने वाली इस दूसरी बैठक का मुख्य उद्देश्य दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम (सीजफायर) को टूटने से बचाना है। वर्तमान में सबसे बड़ा विवाद होर्मुज की खाड़ी को लेकर है, जिसे ईरान ने बंद कर रखा है। अमेरिका हर हाल में इस व्यापारिक मार्ग को खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक प्रतिबंधों पर रियायत की मांग पर अड़ा है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप प्रशासन इस पूरी कूटनीतिक प्रक्रिया में पाकिस्तान की चुनी हुई सरकार के बजाय सैन्य नेतृत्व को अधिक तवज्जो दे रहा है। ट्रंप के बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बजाय आर्मी चीफ असीम मुनीर का जिक्र अधिक होना इस बात का संकेत है कि अमेरिका पाकिस्तान में सेना को ही मुख्य वार्ताकार मान रहा है। जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद पहुंचे थे, तब भी उनकी अगवानी मुनीर ने ही की थी।

### पाकिस्तानी राजदूत ने भारत का नाम लेकर कहा- कभी नहीं करेंगे हमला, सराहना भी की

**इस्लामाबाद।** दक्षिण एशिया के दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के बावजूद परमाणु सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक पहलू सामने आया है। संयुक्त अरब अमीरात में पाकिस्तान के राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने दोनों देशों के परमाणु सुरक्षा रिकार्ड की जमकर तारीफ की है। एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की परमाणु सुविधाओं पर हमला न करने की जो पारस्परिक गारंटी दी है, वह वैश्विक स्तर पर एक मिसाल है। तिरमिजी ने पश्चिम एशिया के वर्तमान संघर्षों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी गारंटियों का महत्व आज के समय में और बढ़ गया है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच इस ऐतिहासिक समझ की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों ने लंबे समय से इस बात को निभाया है कि वे एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाएंगे। उन्होंने इजरायल और ईरान के बीच हालिया सैन्य तनाव का जिक्र करते हुए चिंता जताई। तिरमिजी के अनुसार, यदि बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र जैसे संवेदनशील ठिकानों पर सीधा हमला होता, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे फारस की खाड़ी और पाकिस्तान के लिए भी विनाशकारी होते। उन्होंने उम्मीद जताई कि दुनिया इस स्थिति से सबक लेगी और यह स्वीकार करेगी कि परमाणु संयंत्रों को किसी भी सैन्य कार्रवाई से मुक्त रखा जाना चाहिए।
क्षेत्रीय कूटनीति और शांति प्रयासों में रूस की भूमिका पर चर्चा करते हुए पाकिस्तानी राजदूत ने कहा कि मास्को दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने में एक निष्पक्ष मध्यस्थ साबित हो सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि भारत के साथ रूस के बेहद करीबी और पुराने संबंध हैं, वहीं पाकिस्तान भी अब शंघाई सहयोग संगठन (एसईओ) में भारत का साझेदार है और ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा रखता है। साक्षात्कार के दौरान मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित संघर्ष को रोकने में अमेरिकी भूमिका पर भी चर्चा हुई।

# लेबनान-इजराइल वार्ता का पहला दौर समाप्त, युद्धविराम पर सहमति नहीं

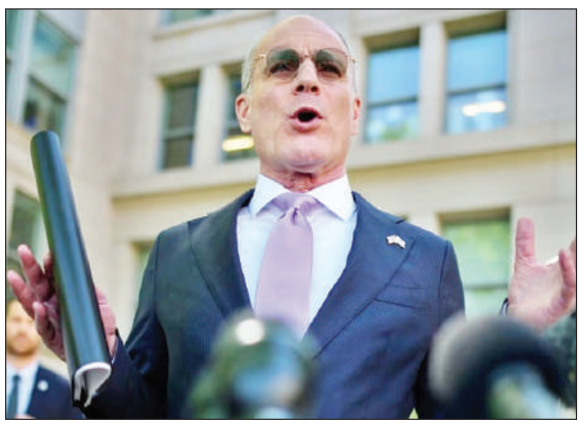

वाशिंगटन

**इजराइल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही सीधी बातचीत का पहला दौर समाप्त हो गया है। करीब तीन दशक बाद हुई इस प्रत्यक्ष वार्ता को क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, हालांकि फिलहाल युद्धविराम पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी है।**

अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने लेबनानी राजदूत नादा हमादेह के साथ हुई दो घंटे की बैठक को बेहद सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों और सुझावों पर चर्चा हुई है, जिन्हें अब अपनी-अपनी सरकारों के सामने रखा जाएगा।

हालांकि, युद्धविराम के सवाल पर इजराइल ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए किसी भी प्रतिबद्धता से इनकार कर दिया। लेइटर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता केवल इजराइल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और जब तक सीमा पार से हमले जारी रहेंगे, तब तक सैन्य कार्रवाई रोकी नहीं जाएगी।

उन्होंने हिज्बुल्लाह को कमजोर बताते हुए कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में लेबनान और इजराइल के बीच बेहतर और औपचारिक संबंध बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेबनान की सरकारी एजेंसी के अनुसार, यह वार्ता सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करने और स्थायी समाधान की दिशा में एक शुरुआती प्रयास है। दोनों पक्ष आने वाले हफ्तों में फिर से बातचीत के लिए मिल सकते हैं।

इस वार्ता से भले ही तुरंत युद्धविराम का रास्ता नहीं निकला हो, लेकिन संवाद की बहाली अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, जो भविष्य में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकता है।

### ईरान युद्ध में चीन की चालबाजी, रणनीति के तहत संघर्ष से दूर बीजिंग, पाक को बनाया है मोहरा

**बीजिंग।** मध्य पूर्व में हालात दिन-ब-दिन और तनावपूर्ण हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी सैन्य नाकाबंदी लागू होगी है, हालांकि उन्होंने ईरान के साथ बातचीत की संभावना भी जाहिर की है। इसके जवाब में, ईरान ने इस कदम की कड़ी निंदा कर समुद्री डकैती करार दिया है। हजारों लोग तेहरान में विरोध प्रदर्शन करने और अपनी सरकार के समर्थन में इकट्ठा हुए। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा है कि ब्रिटिश सेना नाकाबंदी में शामिल नहीं होगी। इस बीच, लेबनान में भी तनाव चरम पर है। हिजबुल्लाह नेता नईम कासिम ने इजरायल के साथ संभावित बातचीत को खारिज किया है, क्योंकि लड़ाई जारी है और इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक अन्य घटनाक्रम में ट्रंप ने ईरान संघर्ष के विरोध के लिए पोप लियो की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद पाकिस्तान ने फिर हस्तक्षेप किया अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता के दूसरे दौर की संभावना प्रबल हुई है, क्योंकि पाकिस्तान इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से राजनयिक कोशिश कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत के अगले चरण पर काफी प्रगति हो चुकी है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए गहन राजनयिक प्रयासों का आह्वान किया है और संघर्ष विराम की मुश्किल से हासिल की गई गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

# भारत से लगी सीमा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए नेपाल ने किए कई बड़े फैसले

काठमांडू

नेपाल सरकार ने भारत से लगी हुई सीमा पर अपनी निगरानी को चौबीसों घंटे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का फैसला किया है। खुली सीमा होने के कारण होने वाले घुसपैठ, तस्करी, सीमा पर अपराध आदि को रोकने के लिए कई निर्देश जारी किए गए हैं।

सशस्त्र प्रहरी बल के प्रवक्ता डीआईजी विष्णु प्रसाद भट्ट के अनुसार, भारतीय सीमा से जुड़े नेपाल के देश के 27 जिलों की सीमा पर 3000 अतिरिक्त जवानों को भारत से सटी सीमा पर तैनात करने का फैसला किया गया है।

उन्होंने बताया कि नेपाल की पूर्वी सीमा झापा से पश्चिम सीमा कंचनपुर जिले तक के सीमावर्ती जिलों में 24 घंटे गश्त सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। सरकार पहाड़ी क्षेत्रों से जनशक्ति स्थानांतरित कर नेपाल भारत सीमा पर स्थायी तैनाती बढ़ाने की योजना भी बना रही है।

सशस्त्र प्रहरी बल के प्रवक्ता के मुताबिक सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्र में 100 नए वाच टावर बनाने का निर्देश गृह मंत्रालय के तरफ से दिया गया है। डीआईजी भट्ट ने कहा कि सरकार के निर्देश के बाद इस पर काम भी शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा नेपाल भारत सीमावर्ती क्षेत्र में रहे बार्डर आउट पोस्ट (बीओपी) की संख्या को भी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। गृहमंत्रालय ने सशस्त्र प्रहरी बल के उस प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है जिसमें नेपाल भारत सीमा पर बीओपी की मौजूदा संख्या 260 को बढ़ाकर 426 करने की बात उल्लेख है।

# पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में विदेशी से विवाह करने से पहले कर्मचारियों को लेनी होगी सरकार से अनुमति

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए विदेशी नागरिकों से शादी करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। यह फैसला मुख्यमंत्री सोहेल खान अफरीदी के नए नियमों को मंजूरी दिए जाने के बाद लिया गया है। इस संबंध में प्रांतीय मानव संसाधन प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचना में कहा गया कि अब से सरकारी कर्मचारियों को किसी विदेशी नागरिक से शादी करने से पहले आधिकारिक मंजूरी लेनी होगी। ऐसा न करने पर इसे कदाचार माना जाएगा और अनुशासनात्मक नियमों के तहत विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। अधिसूचना के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा सिविल सर्वेंट्स (विदेशी नागरिकों से विवाह पर प्रतिबंध) नियम, 2026 को खैबर पख्तूनख्वा सिविल सर्वेंट्स अधिनियम, 1973 की धारा 26 के स्थान पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

नियमों के तहत, विदेशी नागरिक की परिभाषा में कोई भी ऐसा व्यक्ति शामिल है जो पाकिस्तान का नागरिक नहीं है, जबकि विवाह में किसी भी लागू कानून या धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत संपन्न हुए मिलन शामिल हैं। सरकार ने कहा कि जो अधिकारी किसी विदेशी नागरिक से विवाह करना चाहते हैं, उन्हें उचित माध्यम से आवेदन करना होगा और सरकार से पहले अनुमति लेनी होगी। यह मंजूरी सरकार के विवेक पर दी जाएगी, जिसमें भावी जीवनसाथी की राष्ट्रीयता, उस व्यक्ति के देश के साथ पाकिस्तान के राजनयिक संबंध, और सुरक्षा या सेवा से जुड़े किसी भी संभावित प्रभाव जैसे कारकों को ध्यान में रखा जाएगा।

ये नियम विदेशी जीवनसाथी के लिए गृह और जनजातीय मामलों के विभाग के माध्यम से संबंधित एजेंसियों द्वारा सुरक्षा और पहचान की जांच करवाना भी अनिवार्य बनाते हैं। आवेदकों को जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे, जिनमें चरित्र प्रमाण पत्र और एक हलफनामा शामिल है, जिसमें यह पुष्टि की गई हो कि विदेशी नागरिक किसी भी राष्ट्र-विरोधी या आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार उन सेवारत सरकारी कर्मचारियों के मामलों की भी समीक्षा करेगी जिन्होंने पहले से ही बिना पूर्व अनुमति के विदेशी नागरिकों से विवाह कर लिया है। ऐसे मामलों को विचार के लिए अधिकारियों के समक्ष नए सिरे से रखा जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों का कोई भी उल्लंघन कदाचार माना जाएगा। ऐसा कहने पर बड़ी सजा हो सकती है। हालांकि, सरकार यदि जरूरी समझेगी तो विशिष्ट मामलों में इन नियमों में ढील दे सकती है।

# हर नागरिक को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए : हरिता

**आसिफाबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
ज़िला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि हर नागरिक को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए ताकि दुर्घटनाएँ रोकी जा सकें और लोग सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुँच सकें। यह कार्यक्रम ज़िला मुख्यालय बस स्टैंड क्षेत्र में परिवहन विभाग की ओर से आयोजित अराइव अलाइव अभियान के तहत हुआ। कार्यक्रम में ज़िला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड, कागज़नगर सब-कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी, नगरपालिका चेयरपर्सन मेन्ने आकाश, वाइस चेयरपर्सन एम.डी. अहमद और ज़िला परिवहन अधिकारी रामचंदर सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कलेक्टर हरिता ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी से परिवारों का नुकसान होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दोपहिया पर हेलमेट, कार में सीट बेल्ट, तेज़ गति/गलत दिशा/ट्रिपल राइडिंग से बचें, और शराब पीकर या मोबाइल का उपयोग करके वाहन न चलाएँ। दुर्घटना में घायल को तुरंत अस्पताल पहुँचाने पर जोर दिया गया। गोल्डन आवर में मदद करने वालों के लिए रहवीर योजना के तहत 25,000 नकद पुरस्कार देने की जानकारी दी गई।

विधायक कोवा लक्ष्मी ने भी सुरक्षित ड्राइविंग की अपील की। कार्यक्रम में हेलमेट न पहनने से होने वाली गंभीर चोटों का प्रदर्शन तरबूज़ पर प्रयोग करके किया गया और सभी ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली।

## भारतीय संविधान के निर्माता अंबेडकर के आदर्शों की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करें

**आसिफाबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

असमानताओं से मुक्त समाज निर्माण और देश के सभी वर्गों को समान अवसर दिलाना ही डॉ. बी.आर. अंबेडकर की आकांक्षा थी। इन आदर्शों की प्राप्ति के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिएयह बात जिला कलेक्टर के. हरिता ने मंगलवार को कही।

उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित समेकित जिला कलेक्टरेट भवन के सभागार में आयोजित डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती कार्यक्रम में यह संबोधन दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (राजस्व) डेविड, सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कोवा लक्ष्मी, पाल्वाई हरीश बाबू, जिला पुस्तकालय संस्था अध्यक्ष कामडे अनिल, आसिफाबाद नगरपालिका अध्यक्ष मेन्ने, उपाध्यक्ष एम.डी. अहमद सहित विभिन्न जाति संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर हरिता ने कहा कि अंबेडकर ने समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समानता, सामाजिक न्याय और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रेरक योगदान दिया। उन्होंने युवाओं से देश के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की।

इस अवसर पर सिरपुर विधायक और आसिफाबाद विधायक ने भी अंबेडकर के विचारों को समाज में लागू करने पर जोर दिया। निबंध व भाषण प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार दिए गए। साथ ही अग्निशमन सप्ताह की दीवार पत्रिकाओं का विमोचन किया गया।

# पेद्दापल्ली में अंबेडकर 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

पेद्दापल्ली, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। माइनिंग और लेबर मिनिस्टर विवेक वेंकटस्वामी ने अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जिला हेडक्वार्टर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने शहर पहुंचने पर मिनिस्टर का शानदार स्वागत किया। मिनिस्टर ने कहा कि भारत आज एक आदर्श देश के तौर पर अंबेडकर द्वारा लिखे संविधान की वजह से खड़ा है, जो देश के कमजोर तबकों के लिए उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने तेलंगाना में 100 अंबेडकर की मूर्तियां दान की हैं और मूर्तियां दान करके वे खुद को खुशकिस्मत महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर दलितों के लिए प्रेरणा हैं और दलितों को अधिकार दिलाने के लिए संविधान निर्माण में उन्होंने बहुत मेहनत की।

# आदर्श ग्राम योजना से गांवों का समग्र विकास होगा: कुमार दीपक

**मंचेरियाल, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत गांवों में समग्र विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

बुधवार को नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने अतिरिक्त कलेक्टर पी. चंद्रैया, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और चयनित 7 गांवों के सरपंचों के साथ समीक्षा की।

कलेक्टर ने बताया कि योजना का उद्देश्य चयनित गांवों को आदर्श गांव के रूप में विकसित करना है, जहां सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। साथ ही अनुसूचित जाति परिवारों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने रोजगार, कौशल विकास, विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा, सामाजिक समानता और जीवन स्तर सुधारने के लिए योजनाओं के समन्वय पर जोर दिया।

जिले में चेन्नूर, दंडेपल्ली, हाजीपुर, जयपुर, कन्नेपल्ली, तांडूर और वेमनपल्ली मंडलों के 7 गांवों का चयन किया गया है।

इन गांवों में केंद्र सरकार की 100 प्रतिशत सहायता से विकास कार्य कराए जाएंगे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम सभाओं की मंजूरी के बाद योजनाएं तैयार कर पारदर्शिता के साथ कार्य समय पर पूरे किए जाएं।

बैठक में संबंधित अधिकारी, सरपंच और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

# डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई

बीदर, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को बीदर हॉर्टिकल्चर कॉलेज में नेशनल सर्विस स्कीम यूनिट्स तथा शेड्यूल्ड कास्ट एंड शेड्यूल्ड ट्राइब सेल के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गई।

कॉलेज के डीन डॉ. एस.वी. पाटिल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने शिक्षा, संगठन और संघर्ष को अंबेडकर के प्रमुख सिद्धांत बताते हुए समान समाज के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं ने छात्रों से टेक्स्ट बुक्स के साथ-साथ कॉम्पिटिटिव पुस्तकों का अध्ययन करने और अंबेडकर के आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की। कॉलेज के छात्र संदीप कटबर ने डॉ. अंबेडकर की जीवन-गाथा और संविधान के महत्व पर विचार साझा किए। कॉलेज के शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, छात्र और वर्किंग क्लास ने कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रा मधुमती वोडेयर ने स्वागत भाषण दिया।

# डोंगली में नवनियुक्त तहसीलदार रणजीत कुमार का सरपंचों ने किया स्वागत

**डोंगली, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

डोंगली मंडल केंद्र में कुछ दिन पहले तहसीलदार के रूप में कार्यभार संभालने वाले श्री रणजीत कुमार का बुधवार को स्थानीय सरपंचों ने तहसीलदार कार्यालय में शॉल देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर तहसीलदार रंजीत कुमार ने सरपंचों से अपील की कि वे हर समय डोंगली मंडल की जनता को कामकाज में सहयोग और मार्गदर्शन देते रहें। कार्यक्रम में डोंगली मंडल कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष गजानन देशाई, माधन हिपरगा सरपंच बाचे लक्ष्मण पटेल, शिवा लिंबूर, विलास गायकवाड़ (बड़ा टाकली), डोंगली पूर्व एमपीटीसी दिन दयाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# संत गोरा कुंभार की पुण्यतिथि मनाई गई

**मदनूर, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मंडल केंद्र के कुभार गली में बुधवार को कुंभार समाज की ओर से संत गोरा कुंभार की पुण्यतिथि बड़ी भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर भजन-कीर्तन और महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

आयोजन के दौरान बताया गया कि संत गोरा कुंभार (गोरोबा काका) वारकरी संप्रदाय के महान संत और भगवान विठ्ठल के भक्त थे। उनकी पुण्यतिथि (संजीव समाधि दिवस) चैत्र वद्य त्रयोदशी को मनाई जाती है। 2026 में यह तिथि 15 अप्रैल को पड़ती है।

संत गोरा कुंभार अपना दैनिक कुम्हार का कार्य करते हुए विठ्ठल भक्ति में लीन रहते थे। कार्यक्रम में स्थानीय कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दारासवार सायलु, वरिष्ठ पत्रकार संगय्यअपा, करेवार सायलु, गंगाराम कुंभार, हणमलू बंदीवार, गोपी, रमन्ना सहित कुंभार समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महिलाओं की संख्या भी अधिक रही।

# धर्माबाद शिवसेना शिंदे ग्रुप ने शुद्ध पानी की बोतलें बांटकर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

**धर्माबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
धर्माबाद शिवसेना शिंदे ग्रुप ने परम पूज्य भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती (14 अप्रैल) के मौके पर श्रद्धांजलि स्वरूप शुद्ध पानी की बोतलें बांटीं। लेजिस्लेटिव काउंसिल ग्रुप लीडर ना. हेमंत पाटिल तथा अन्य पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम धर्माबाद तालुका प्रमुख आकाश भाऊ रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शुद्ध पानी की बोतलें बांटने से गर्मी के दिनों में जुलूस में शामिल होने वाले नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को राहत मिली। इस पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है।

## यूनिफाइड इंटरनेशनल मैथ्स ओलंपियाड
# पेद्दापल्ली के छात्रों को स्टेट रैंक व गोल्ड मेडल

पेद्दापल्ली, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री विद्यानिकेतन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, पेद्दापल्ली के स्टूडेंट्स ने यूनिफाइड इंटरनेशनल मैथ्स ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। स्टेट लेवल पर बेहतर परिणाम मिलने पर संस्थान को गर्व हुआ। 7वीं कक्षा के ए. सात्विक तेजा ने स्टेट लेवल पर 13वीं रैंक हासिल की। इसके अलावा 9 स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल व सर्टिफिकेट प्राप्त किए। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स में डी. श्रीनिकेश, ए. प्रणव, टी. अव्यान साई, के. वेदश्री, सी. एच. सुमति, के. श्रीनित्या, आर. शिवांश, बी. जसवंत और एन. श्रीहिता शामिल हैं। सफल विद्यार्थियों को गायत्री विद्यानिकेतन विद्यासंथम के चेयरमैन दूअलंकी श्रीनिवास और कॉरेस्पोंडेंट श्रीमती रजनी देवी ने सम्मानित किया। प्रिंसिपल विजय, वाइस प्रिंसिपल प्रियंका तथा मैथ्स टीचर नव्या ने भी छात्रों को बधाई दी। पेरेंट्स ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई।

# हिलटॉप ट्रेडिंग एसोसिएशन पर भाजपा का विरोध

**यादगिरिगुट्टा, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
नगर भाजपा ने हिलटॉप ट्रेडिंग एसोसिएशन के खिलाफ ईओ को ज्ञापन सौंपी। जिला महासचिव कदुरी अचैया ने आरोप लगाया कि पिछले 30-40 वर्षों से एक ही समूह ने बिना टेंडर बुलाए राजनीतिक दबाव और पैसों के बल पर व्यापारिक कॉम्प्लेक्स पर कब्ज़ा कर रखा है। दुकानों को कम किराए पर चलाया जा रहा है और भक्तों से नारियल व पानी की बोतलों के ऊँचे दाम वसूले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एसोसिएशन मोनोपॉली बनाकर डर पैदा कर रही है, सबलीज़ के नाम पर भारी रकम वसूल रही है और बेरोज़गार युवाओं को बाहर काम करने पर मजबूर कर रही है। भाजपा ने चेतावनी दी है कि यदि एसोसिएशन को तुरंत भंग नहीं किया गया तो बड़े आंदोलन किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला और नगर के कई पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

# चेन्नूर क्षेत्र के हर इलाके का होगा विकास: गड्डुम विवेकानंद

**मंचेरियाल, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना, खान एवं भूगर्भ विभाग मंत्री गड्डुम विवेकानंद ने कहा कि चेनूर विधानसभा क्षेत्र के हर इलाके को विकास की राह पर ले जाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। बुधवार को मंत्री ने मंदमर्री नगर पालिका कार्यालय में जिला कलेक्टर कुमार दीपक, अतिरिक्त कलेक्टर पी. चंद्रैया, विभिन्न नगरपालिकाओं के आयुक्तों एवं अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि सरकार जनता के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है और नगर पालिका क्षेत्रों में आंतरिक सड़कों, नालियों, स्वच्छता व्यवस्था तथा गर्मी के मौसम में नियमित पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

मंत्री ने कहा कि 99 दिवसीय प्रगति योजना के तहत विकास कार्यों के साथ-साथ जनसमस्याओं के समाधान पर भी फोकस किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने कौशल विकास केंद्र और एटीसी सेंटर का दौरा किया, जहां बेरोजगार युवाओं के लिए आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण दिए जाने की बात कही गई। टॉमकॉम के जरिए युवाओं को विदेशों, खासकर जर्मनी में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

# विवाह में बाधा आ रही है तो यह करें

**कुछ** लोग ऐसे होते हैं जिनके विवाह में बहुत विलंब होता है। कई बार बात बनते-बनते टूट जाती है। इसके कई कारण हो सकते हैं। यदि आपके साथ भी यही समस्या है तो यह उपाय करें-

**उपाय**

अपने सामने मां भगवती का सुंदर चित्र रखकर शुद्धता पूर्वक पूजा-अर्चना करें। फूल चढ़ाएं। इसके बाद 108 बार नीचे लिखे मंत्र का जप करें। इस बात का ध्यान रखें कि जप करते दौरान पूरे समय शुद्ध घी का दीपक जलता रहे। यह प्रयोग 45 दिन तक करें।

**मंत्र**

सदेवि नित्यं परितप्यमानस्त्वामेव सीतेत्यभिभाषमाण:।

दृढ़वतो राजसुतो महात्मा तवैव लाभाय कश्तप्रयत्न:।।

# केरियर और राशि

**व्यवसाय** चयन में ज्योतिष अपनी विशेष भूमिका रखती है। वह ऐसे लोगों की सहायता कर सकती है जो व्यवसाय चयन में दिग्भ्रमित हो जाते है। सफलता रूपी गाड़ी के दो पहिए होते है एक प्रयत्न दूसरा भाग्य। भाग्य अनुकूल है तथा प्रयत्न में भी कमी नहीं है तो सफलता अवश्य मिलती है। यदि किसी से मिलने जाते हैं टेलीफोन पर टाईम ले लेते है। निर्धारित समय पर वहां पहुंचते है यह आपका प्रयत्न है। टेलीफोन पर समय लेने पर भी अन्य व्यक्ति आकस्मिक कार्य वश न मिलना आपका भाग्य है। इसी प्रकार व्यवसाय विषय में प्रयत्न एवं भाग्य के समन्वय होता है। अपनी सामर्थ्य एवं योग्यता के आधार पर व्यवसाय का चयन एवं तदनुकूल प्रयास सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। व्यक्ति की सामर्थ्य का संकेत ग्रह स्थिति से मिलता है।

आजीविका के विषय में ज्योतिष में निम्नलिखित सिद्धान्त है। पहले जन्म कुण्डली के ग्रहों का षड्बल ज्ञात किया जाता है तथा बलिष्ठ एवं बलहीन ग्रहों का निर्धारण किया जाता है। इसके पश्चात् लग्न से, चन्द्रमा से तथा सूर्य से दशम् भाव के आधार पर विचार किया जाता है। सामान्य नियम के अनुसार लग्न से दशम् भाव जिस व्यक्ति का बलवान होता है, वह व्यक्ति शारीरिक श्रम से अपनी जीविका कमाता है। जिस व्यक्ति के जन्मकालिक ग्रह स्थिति के आधार पर चन्द्रमा से दशम् भाव लग्न एवं सूर्य के दशम् भाव की तुलना में अधिक बलवान हो, वह व्यक्ति शारीरिक श्रम न करके केवल बौद्धिक परिश्रम से अपनी आजीविका प्राप्त करता है। जिस जातक के सूर्य की राशि से दशम् भाव जन्म कुण्डली एवं चन्द्र कुण्डली की तुलना में अधिक बलवान है, वह व्यक्ति पैसे से पैसा कमाता है।

दशम् भाव के आधार पर लग्न, चन्द्र एवं सूर्य से दशम् भाव में जो बलवान ग्रह हो उसी के आधार पर आजीविका का निर्णय किया जाता है। यदि तीनों स्थितियों में कोई भी ग्रह स्थित नहीं हो तो उक्त भाव को देखने वाले बलवान ग्रह के आधार पर आजीविका का निर्णय किया जाता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि दशम् भाव पर किसी भी ग्रह की दृष्टि भी नहीं है तो फिर दशमेश के नवांश पति के आधार पर आजीविका का निर्णय किया जाता है।

**ग्रहों के आधार पर आजीविका**

दशम् भाव के स्वामी या दशम् भाव को पूर्ण दृष्टि से देखने वाले बलवान ग्रह के आधार पर व्यक्ति निम्नलिखित व्यवसाय करता है।

**सूर्य-** लाल पत्थर, सुगन्धित वस्तु, कीमती सामान, सोना-अनाज, गुड़-तेल, बिजली के समान, फोटोग्राफी, ऊन, सट्टा, आढ़त, दलाली, ठेकेदारी, आयात निर्यात, यातायात, केमिस्ट, अग्निशमन यंत्रों का व्यापार। इंजीनियरिंग, चिकित्साविभाग में कार्य, जौहरी अथवा जौहरी के यहां कार्य।

**चन्द्र-** जनरल मर्चेन्ट, किराणा, बच्चों के खिलौने, फैन्सी स्टोर, रेडीमेड गारमेंट्स, तरल पदार्थ, मेडिकल स्टोर, ट्रेवलिंग कम्पनी, विदेश व्यापार, जल से संबंध रखने वाली वस्तुओं का व्यापार, एजेन्सी, रत्न व्यवसाय, डेयरी, पेय पदार्थ, फलों का रस, ड्राइवर, चावल, पायलट, वकील। सिंचाई विभाग, जलप्रदाय विभाग, रेलवे में नौकरी। ग्लास फैक्ट्री में कार्य।

**मंगल-** वन में उत्पन्न वस्तुओं का व्यापार, भोजनालय, खनन उद्योग ईंटें बनाना, प्रोपर्टी डीलर, खेती में काम आने वाली वस्तुएं, आतिशबाजी, बिजली के समान, बर्तन का व्यापार, लाल वस्तु, भवन निर्माण सामग्री, पके हुए फल, सेना, पुलिस, न्यायाल अग्निशयन विभाग में नौकरी। रक्षा विभाग, दूतावास, विदेश विभाग, यातायात में सर्विस।

**बुध-** शेयर, सट्टा, लकड़ी का कारखाना, फर्नीचर की दुकान, तम्बाकू, रेडियो, टीवी, सब्जी का व्यापार, दलाली सेल्समैन, पुस्तक विक्रेता, मुनीम, वकील, न्यायालय में सर्विस, सी.ए., उधार देना, ताजा फल, रबड़, औषधि, जड़ी बूटी वनस्पति से संबंधित व्यापार।

**गुरु-** पुस्तक विक्रेता, खनिज से संबंधित व्यवसाय, स्कूल चलाना, लेखन कार्य, स्टेशनर्स, आभूषण विक्रेता, अध्यापक। चना, सरसों, दलहन, तिलहन का व्यापार, अधिकारी, जनप्रतिनिधि, न्यायाधीश शिक्षाविद।

**शुक्र-** मिठाई, कपड़ा, आभूषण, सौन्दर्य प्रसाधन, फर्नीचर, सूद पर रुपए देना, ठेकेदारी, कंस्ट्रक्शन एजेंसी, दवाई की दुकान, होटल, फैंसी स्टोर, घड़ीसाज इत्यादि व्यापार। आधुनिक तकनीकी से सम्बन्ध व्यवसाय, कम्प्यूटर, विद्युत उपकरण आयात-निर्यात, यात्रा कम्पनी, चिकित्सालय, पशुओं का व्यापार, किराणा, इंजीनियर, सुगन्धित वस्तु, विलासिता या मनोरंजन की वस्तु।

**शनि-** लौहा, तेल, रबर कोलतार, कोयला, पेट्रोल, चमड़ा, पत्थर का व्यापार, मुर्गीपालन, घ श्रेणी कर्मचारी देशी शराब, शूज स्टोर, नमक, गैस का व्यापार।

**राहु-** लकड़ी, फर्नीचर, बच्चों के खिलौने, आतिशबाजी के सामान, बिजली के समान को व्यापार, एजेन्सी, एडवरटाइजमेंट, टेलरिंग, जमीन का लेन-देन। नगरपालिका में सर्विस, पुस्तकालय, पोस्ट आफिस में नौकरी।

**केतु-** जूट, बारदाना, पैकिंग का सामान, कागज के सामान, औषधि का व्यापार, पायलट, अभिनेता, पुरातत्व पर्यटन विभाग में नौकरी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर।

**ग्रह युति और व्यवसाय**

- सूर्य+मंगल युति= सेना, पुलिस, रक्षा विभाग में नौकरी
- सूर्य+बुध यति= ज्योतिषी, भविष्यवक्ता, वकील
- सूर्य+गुरु युति= प्रशासनिक अधिकारी
- सूर्य+चतुर्थेश युति= फर्नीचर, लकड़ी व्यवसाय
- चन्द्र+शुक्र युति= इत्र, डेयरी व्यवसाय, फैंसी स्टोर
- चन्द्र+गुरु युति= अपने क्षेत्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति
- मंगल+शनि युति= इंजीनियर
- शुक्र+बुध युति= हेराफेरी
- चन्द्र+राहु युति= असामाजिक कार्य, चिकित्सा विज्ञान के लिए विशेष
- सूर्य+शनि= डॉक्टर
- 1-2-5-10 भावों में
- सूर्य+मंगल या शुक्र युति= नेत्र चिकित्सक
- 1-2-6-10-11 भावों में
- बुध+शुक्र+शनि= चर्म रोग चिकित्सक
- 6-10 भावों में
- सूर्य+बुध+शुक्र यति= दन्त चिकित्सक
- 1-2-6-10-11 भावों में

उपर्यक्त युति के अतिरिक्त दृष्टि बल से भी व्यवसाय विचार करना संभव है।

# हर मुसीबत दूर करता है श्रीगणेश का यह रूप

**हिंदू** परम्परा में कोई भी शुभ कार्य भगवान श्रीगणेश की पूजा के बिना नहीं किया जाता। भगवान श्रीगणेश को विघ्न का नाश करने वाला माना जाता है। गणेश के कई रूप प्रसिद्ध हैं और लगभग हर रूप में उनका अलग महत्व है। कई तंत्र प्रयोगों में भगवान गणेश का स्मरण किया जाता है।

धर्म ग्रंथों जब गणपति कमल पर विराजित हों तो वे घर की सारी नकारात्मक शक्तियों को निष्क्रिय कर देते हैं। कमल पर बैठे गणेश के इस रूप को विघ्नहर्ता कहा जाता है। इसके बारे में कहा जाता हैं कि गणेश ने अपने कमल के फूल की गंध से समस्त देव सेना को बेहोश कर दिया था। इसलिए इस गणेश के कमल के फूल पर बैठे या फूल को हाथ में लिए हुए स्वरूप को विघ्न को मिटाने वाला माना जाता है।

गणेश का यह स्वरूप सकारात्मक उर्जा उत्पन्न करने में सक्षम माना जाता है, गणेश के इस स्वरूप को यदि घर के मध्य स्थापित कर लिया जाए तो घर में उपस्थित कई तरह के वास्तुदोष में कमी आने के साथ ही जो काम सालों से नहीं बन पा रहा हो विघ्न आ रहा हो तो गजानन के इस रूप की स्थापना से हर काम शीघ्र पूर्ण होने के साथ ही जीवन में आने वाली मुसीबतों में कमी आने लगती है।

कमल पर बैठे श्रीगणेश की पूजा करते समय इस मंत्र का जप करें तो शीघ्र ही शुभ फल मिलता है-

ऊँ गं गणपत्यै नम:

# हाल बताएं तिल

**शरीर** के विभिन्न स्थानों पर स्थित तिल का निम्न प्रकार से शुभाशुभ फल होता है-

- मस्तक पर तिल होने पर पुरुष समाज में प्रतिष्ठित एवं स्त्रियों के मस्तक पर होने पर वह किसी उच्चाधिकारी की पत्नी बनती है।
- ललाट पर तिल होने पर जातक धन सम्पन्न एवं ऐश्वर्यशाली होता है।
- यदि भौह पर तिल हो तो विदेश यात्रा से आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना रहती है।
- आंख पर तिल होने पर जातक अधिकार सम्पन्न होता है।
- गाल पर तिल होने पर जातक ऐश्वर्य संपन्न होता है।
- ऊपरी होंठ पर तिल होने से जातक धनी एवं थोड़ा जिद्दी होता है।

## धन-दौलत के लिए लकी मॉन्गूज

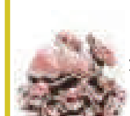

**फेंगशुई** के अनुसार अच्छी किस्मत और धन-दौलत की आमद बढ़ाने के लिए इस मॉन्गूज का घर या कारोबारी जगह पर रखना जरूरी है। इसकी वजह मॉन्गूज का धन के देवता कुबेर से जुड़ा होना है। इसे एक नजर में देखते ही आप अंदाज लगा लेंगे कि इसका जुड़ाव रुपए-पैसों से है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह मॉन्गूज ढेरों सिक्कों के ऊपर बैठा नजर आता है। फेंगशुई विशेषज्ञों के अनुसार इसे घर, दफ्तर या व्यापार स्थल पर दक्षिण-पूर्व में रखना चाहिए।

# ग्रह और दशा

**आपकी** विचारधारा ग्रह और दशाओं से प्रभावित होती है। आप पर जिस ग्रह का प्रभाव होगा, आपकी सोच और मनोदशा वैसी होगी। यह बात आप बिना जन्म कुंडली के भी जान सकते हैं। इस लेख में केवल इस बिंदु पर ही प्रकाश डाला जा रहा हैं कि आप पत्नी कैसी पसंद करते हो...

- यदि आप सोचते हैं कि आपकी पत्नी धार्मिक विचारों वाली, बड़े कुटुंब की हो तो आप बृहस्पति ग्रह से प्रभावित है। बृहस्पति ग्रह से प्रभावित जातक की इच्छा होती है कि उसकी पत्नी उसका सम्मान करें। धन की लालसा न रखती हो। आंखें बड़ी-बड़ी हों।
- यदि आपके विचार से आपकी पत्नी पूर्ण परिपक्व हो, ज्यादा हंसी-मजाक न करे। गंभीर विचारधारा की हो तो आप शनि ग्रह से प्रभावित है। शनि ग्रह से प्रभावित जातक की सोच होती है कि उसकी पत्नी फिजूलखर्ची नहीं करें।
- यदि आप सोचते हो कि आपकी शादी जल्दी हो और पत्नी हंसमुख स्वभाव की हाजिर जवाब, तेज तर्रार हो। उसके नयन-नक्श तीखे हों मजबूत कद काठी की समझदार हो तो आप सूर्य ग्रह से प्रभावित है। सूर्य प्रभावित व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसकी पत्नी आकर्षक हो।
- यदि आप सोचते हो कि मेरी शादी तभी हो, जब खूब पैसा इकट्ठा हो जाए और पत्नी चतुर, व्यवसायिक विचारधारा की कुशल, फटाफट काम करने वाली हो, हर काम में लाभ-हानि देखती हो तथा तनाव चेहरे पर नहीं झलके तो आप बुध ग्रह से प्रभावित है। बुध से प्रभावित जातक की इच्छा होती है कि उसकी पत्नी बढ़िया तरीके से बोले। कभी खाली न बैठे, कुछ न कुछ करती रहे। हर कार्य में आपको सलाह दें।
- यदि आप सोचते हैं कि आपकी पत्नी नजाकत वाली न होकर रफ-टफ हो, उसका गौर वर्ण, गोल चेहरा हो, साहसी एवं खूब मेहनती हो। हर कार्य जोश से करें। निडर और कंजूस न हो। समझदार और क्रोध नहीं करने वाली रोबदार हो तो आप पर मंगल का प्रभाव है।
- यदि आप सोचते हो कि आपकी पत्नी बहुत सुंदर हो और जब हंसे तो उसके गालों में गड्ढा पड़े। उसकी सोच में फैशन, कला व रचनात्मकता झलके। आपकी प्रशंसा करने वाली आधुनिक विचारों से युक्त हो। संगीत, नृत्य या गायन में रुचि हो तो आप पर शुक्र का प्रभाव है। यदि एक से अधिक गुण अन्य ग्रह से मेल खाते है तो उस ग्रह का उतना ही प्रभाव आप पर है।

# जब बच्चे को बचाना हो बुरी नजर से

**बच्चों** को बुरी नजर बहुत जल्दी लग जाती है। नजर लगने के कारण बच्चा अचानक अनमना हो जाता है, दूध नहीं पीता और लगातार रोता रहता है। ऐसे में नीचे लिखे उपाय करने से बच्चे को लगी बुरी नजर दूर हो जाती है तथा बच्चा फिर से स्वस्थ हो जाता है।

**उपाय**

- बच्चे को नजर लगी हो तो 225 ग्राम फिटकरी को बच्चे के ऊपर से 21 बार उसारकर चौराहे पर फेंक दें तथा पीछे मुड़कर न देखें।
- एक नींबू लेकर हनुमानजी का स्मरण करते हुए नीचे लिखे मंत्र का जप करते हुए पीड़ित बच्चे के सिर से पैर तक 21 बार उसारें। फिर उस नींबू को ले जाकर किसी चौराहे पर काटकर वहीं फेंक दें। छुरी भी वहीं छोड़ दें। बुरी नजर दूर हो जाएगी।

**मंत्र- ऊँ श्री हनुमते नम:।**

- बुरी नजर से पीड़ित बच्चा यदि दूध नहीं पी रहा हो तो रविवार के दिन बच्चे के सिर से तीन बार दूध उसारकर काले कुत्ते को पिला दें। बच्चा दूध पीने लगेगा।
- शनिवार के दिन हनुमानजी के मंदिर जाएं। पूजन के बाद हनुमानजी की मूर्ति के पैरों का सिंदूर लाकर बच्चे के लगा दें। कितनी भी बुरी नजर हो तुरंत उतर जाएगी।
- बच्चे को बुरी नजर से बचाने के लिए उसके गाल पर काजल का टीका अवश्य लगाएं।

# इस पौधे से नहीं होता जादू-टोने का असर

**तंत्र** शास्त्र में अनेक वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है जैसे- काली हल्दी, शंख, रत्न, बांदा, श्रीफल, एकाक्षी नारियल, कौड़ी आदि। इन सबका अलग-अलग महत्व व प्रयोग है। यह सब चमत्कारी वस्तुएं हैं।

ऐसा ही एक चमत्कारी पौधा है अफेद आक (आंकड़ा)। यह बहुत चमत्कारी पौधा है। यह सामान्य रूप से पाएं जाने वाले आक के पौधे से अलग होता है। इसका उपयोग की तांत्रिक क्रियाओं में किया जाता है। तांत्रिक प्रयोगों से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। जिस घर में यह लगा होता है उस घर किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र या जादू-टोने का असर नहीं होता है।

इस आक के पौधे से भी अधिक चमत्कारी है इससे निर्मित गणेश प्रतिमा। तंत्र शास्त्र में यह बताया गया है कि यदि सफेद आक से निर्मित गणेश प्रतिमा की विधिवत पूजा की जाए तो सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। यह गणेश प्रतिमा अद्भुत व चमत्कारी होता है। इसकी पूजा बहुत नियम और कायदों से करनी पड़ती है। नियम से पूजा ना होने पर इसका उचित लाभ नहीं मिल पाता है। इसलिए यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में किसी तरह के तंत्र-मंत्र का असर ना हो तो ये पौधा घर में जरुर लगाएं। इसके अलावा सफेद आक की जड़ को भी तंत्र में बहुत उपयोगी माना जाता है।

# क्यों की जाती है गोदभराई की रस्म!

**हिंदू** धर्म में गर्भवती स्त्री की सातवें महीने में गोदभराई की रस्म की जाती है। उसके बाद डिलिवरी के लिए उसे अपने मायके भेज दिया जाता है। कभी आपने सोचा है कि गोदभराई की रस्म क्यों कि जाती है? दरअसल गोद भराई की पूरी रस्म होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए की जाती है। इस विशेष पूजा से गर्भ के दोषों का निवारण किया जाता है। इसमें महिला को बड़े-बूढ़ो का आशीर्वाद तो मिलता ही है, साथ ही इसमें गर्भवती स्त्री की गोद फल और सुखे मेवों से भरी जाती है। फल और सूखे मेवे पौष्टिक होते हैं। गर्भवती महिला को ये फल और मेवे इसीलिए दिए जाते हैं कि वो इन्हें खाए, जिससे गर्भ में बच्चे की सेहत अच्छी रहे। फल और सूखे मेवों से शरीर में शक्ति तो आती ही है साथ ही इनके तेलीय गुणों के कारण इसमें चिकनाई भी आ जाती है। जिससे प्रसव के समय महिला को कम से पीड़ा होती है।

# पूजा में घी का दीपक ही क्यों लगाना चाहिए?

**दीपक** ज्ञान और रोशनी का प्रतीक है। पूजा में दीपक का विशेष महत्व है। आमतौर पर विषम संख्या में दीप प्रज्जवलित करने की परंपरा चली आ रही है। दरअसल दीपक जलाने का कारण यह है कि हम अज्ञान का अंधकार मिटाकर अपने जीवन में ज्ञान के प्रकाश के लिए पुरुषार्थ करें। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार पूजा के समय दीपक लगाना अनिवार्य माना गया है। दीपक के रूप में हम संसार के लिए कहते हैं आरती कर घी का दीपक लगाने से घर में सुख समृद्धि आती है। इससे घर में लक्ष्मी का स्थाई रूप से निवास होता है। साथ ही हमारे शास्त्रों के अनुसार पूजन में पंचामृत का बहुत महत्व माना गया है और घी उन्हीं पंचामृत में से एक माना गया है।

इसीलिए घी का दीपक लगाया जाता है। साथ ही ज्योतिष के अनुसार दीपक को सकारात्मकता का प्रतीक व दरिद्रता को दूर करने वाला माना जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि घर में घी का दीपक जलाने से वास्तुदोष भी दूर होते हैं। गाय के घी में रोगाणुओं को भगाने की क्षमता होती है। यह घी जब दीपक में अग्नि के संपर्क से वातावरण को पवित्र बना देता है। प्रदूषण दूर होता है। दीपक जलाने से पूरे घर को फायदा मिलता है। चाहे वह पूजा में सम्मिलित हो अथवा नहीं। दीप प्रज्जवलन घर को प्रदूषण मुक्त बनाने का एक क्रम है।

# सुखी दाम्पत्य जीवन के अचूक उपाय

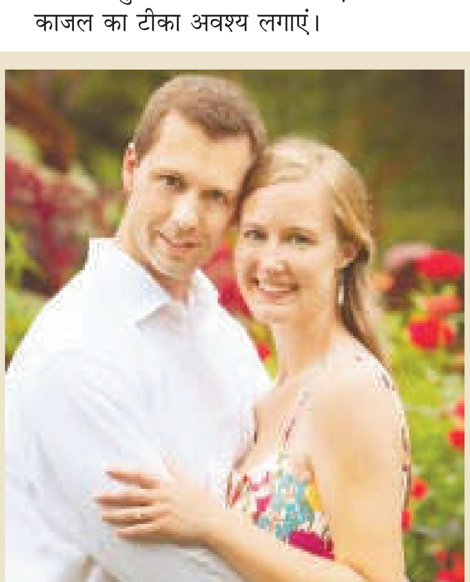

**पति-पत्नी** के बीच तनाव होना आम बात है। जहां प्यार होता है वहां विवाद भी होता ही है लेकिन जब यह विवाद अधिक हो जाता है तो जीवन नरक के समान लगने लगता है।

पति-पत्नी में विवाद के कई कारण हो सकते हैं। यदि आपके साथ भी यही समस्या है तो नीचे लिखे उपाय करने से आपकी यह समस्या हल हो जाएगी।

**उपाय**

- गोमती चक्र को लाल सिंदूर की डिब्बी में घर में रखें तो दाम्पत्य जीवन में सुख-शांति रहती है।
- पंचरत्न सोते समय अपने सिरहाने रखें, प्रात:काल उठकर सर्वप्रथम उसका दर्शन करने से कुछ समय के बाद पति व पत्नी में विवाद समाप्त हो जाता है।
- प्रतिदिन एक गेंदे का फूल जो पूर्ण विकसित हो, उस पर थोड़ा सा कुंकुम लगाकर किसी देवमूर्ति के सामने या तुलसी के पौधे पर चढ़ाने से पति-पत्नी के बीच का तनाव कम हो जाता है।
- किसी एक छोटे बच्चे को प्रतिदिन उसकी मनचाही वस्तु कुछ दिनों तक लाकर दें। ऐसा करने से दाम्पत्य जीवन में आ रही परेशानियां स्वत: ही समाप्त हो जाती है।
- यदि पति-पत्नी के बीच बात ज्याद ही बिगड़ जाए तो तीन गोमती चक्र लेकर घर के दक्षिण में हलूं बलजाद कहकर फेंद दें, मतभेद समाप्त हो जाएगा।

# आज का राशिफल

## मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

## वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

## मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

## कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

## सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

## कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

## तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

## वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा ।

## धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा

## मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

## कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

## मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

# आज का पंचांग

दिनांक : 16 अप्रैल 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 08:14 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा दोपहर 01:39 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 10:35 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:28 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:32 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:32 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:25 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है, गण्डमूल दोपहर 01:59 से , भद्रा प्रातः 09:26 तक , सर्वार्थ सिद्धि योग दोपहर 01:59 से रात्रि 05:59 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com


# गर्मियों में दानों से बचने के लिए खास टिप्स

**गर्मी** के मौसम में अक्सर स्किन सम्बन्धी समस्याएं पनपने लगती हैं। यही नहीं इस मौसम के खत्म होने के बाद आने वाली बारिश कई बार इन समस्याओं में और भी बढ़ोत्तरी कर डालती है। ऐसे में जरूरी है कि इसे लेकर सजग रहा जाए।

**बढ़ जाए जब तकलीफः** कई बार ध्यान न देने पर छोटी-सी फुंसी या फोड़े की तकलीफ भी गंभीर रूप ले लेती है। कुछ लोगों को गर्मी के मौसम में सर, आंखों या चेहरे पर पीली-लाल बड़ी फुंसियां होने की समस्या होती है। ये फुंसियां पककर फूटती हैं तो संक्रमण के फैलने की आशंका भी हो सकती है। इसके अलावा तैलीय या ऑइली स्किन वालों को भी पिम्पल्स ज्यादा उभरते हैं। ये फुंसियां दर्द, जलन, खुजली आदि जैसी तकलीफ दे सकती हैं। यदि ऐसे में पर्याप्त साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो यह घाव बढ़कर गंभीर हो सकता है।

**जरूरी है रोज नहानाः** गर्मी हो या अन्य मौसम, साफ पानी से नियमित नहाना सबसे पहली जरूरत है। इससे शरीर पर लगी धूल-मिटटी और पसीने की गंदगी साफ होती है। यही नहीं पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की भी आदत डालें। इससे शरीर को अंदर से साफ रखने में मदद मिलेगी।

**भोजन में खाएं ताजे फलः** कोशिश करें की भोजन में ताजे फल और सलाद ज्यादा खाएं। साथ ही तले-गले और गरिष्ठ भोजन से बचें। व्यायाम जरूर अपनाएं और सुबह ताजी हवा के सम्पर्क में आएं। जिम या अन्य एक्सरसाइज के दौरान आने वाले पसीने को साफ कपड़े से थपथपाकर पोंछें। इसके बाद अच्छे से नहाएं। कॉटन के या पसीने को सोखने वाले मटेरियल के कपड़े पहनें। अगर हो सके तो दिन में दो बार नहाएं। नहाने के पानी में एंटीसेप्टिक या अन्य संक्रमणों से बचाने वाले तेल आदि डालने से पसीने में दुर्गन्ध और संक्रमण से बचा जा सकता है, ऐसे उपाय अपनाएं।

**आम से हो सकता संक्रमणः** यदि आपको किसी प्रकार के संक्रमण की टेंडेंसी है या फैमिली हिस्ट्री है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यदि 3-4 दिन में फोड़े-फुंसी ठीक न हों तो भी डॉक्टर से सलाह जरूर लें। आम से होने वाले संक्रमण के मामले में भी आमों को खाने से पहले अच्छी तरह धोने की और सावधानी से उसका ऊपरी सिरा हटाने की आदत डालें। हाथों को भी साफ रखने और अच्छे से धोने का ध्यान रखें। साथ ही अंडरगार्मेंट्स और अन्य कपड़ों को भी साफ रखें। ये भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

**पसीना, प्रदूषण और बहुत कुछः** गर्मी के मौसम में पसीना फोड़े-फुंसी या रैशेज के होने का बड़ा कारण बन सकता है। लगातार आने वाले पसीने से एक जगह पर हुई तकलीफ शरीर में दूसरी जगहों पर भी पहुंच सकती है। इसके अलावा सीधे सूरज की किरणों या तेज गर्मी के सम्पर्क में आने, धूल-धुएं से, किसी खराब कॉस्मेटिक से, सिंथेटिक या मौसम के लिहाज से अन्य तरह के गलत मटेरियल के कपड़े पहनने से भी फोड़े-फुंसी या संक्रमण हो सकते हैं। घमौरियां तो इस मौसम में आम हैं ही। कई बार तो आम को गलत तरीके से खाने से भी लोगों को चेहरे पर घाव जैसा पनप जाता है। इन सभी के पीछे असल कारण मौसम और बढ़ा हुआ तापमान ही है।

# डेस्क वर्कर्स के लिए हेल्थ टिप्स

**दिन** के एक बड़े हिस्से को ऑफिस डेस्क के सामने बिताने वाले लोगों के लिए फुल लेंथ एक्सरसाइज के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल होता है। दिनभर कीबोर्ड और ईमेल्स से जूझने के बाद लोग घर जाकर सिर्फ सोना पसंद करते हैं। लेकिन यहां दी गई तीन खास हेल्थ टिप्स की मदद से डेस्क वर्कर्स भी एक्टिव और एनर्जेटिक लाइफ जी सकते है।

## पूरे दिन रहें फुल-ऑन एक्टिव

अक्सर देखा जाता है कि डेस्क वर्कर्स अपनी डेस्क पर ही लंच करना शुरु कर देते हैं और सोशल मीडिया यूज करते रहते हैं। यह एक नुकसानदायक प्रवृत्ति ह। दरअसल डेस्क वर्कर्स को कुछ वक्त अपनी डेस्क से दूर हटकर भी बिताना चाहिए। लगातार कंप्यूटर यूज करने से एक तो मानसिक थकान हो जाती है दूसरे आप शारीरिक रूप से थका हुआ फील करने लगते हैं। ऐसे में अपनी चेयर पर ही फैल कर बैठ जाते हैं जिससे आसानी से काम होता रहे। लेकिन यह काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए आप टाइपिंग नहीं करने की स्थिति में अपनी सीट पर ही खड़े हो सकते है। इसके अलावा अगर आप दफ्तर के किसी कोने में खड़े होकर दोस्तों के साथ गपशप कर रहे हैं तो वहां बैठने के लिए सीट ना खोजने लगें और जितनी देर हो सके खड़े रहने की कोशिश करें। इससे आप पूरे दिन एक्टिव रह पाएंगे।

## टाइपिग वालों के लिए टिप

कॉल-सेंटर, कस्टमर-केयर, डेस्क-जर्नलिज्म और प्रोफेशनल राइटिंग आदि प्रोफेशंस में लगे लोगों के वर्किंग आवर्स का 80 प्रतिशत टाइपिंग करते हुए बीतता है। एक्सेसिव टाइपिंग की वजह से कई बार उंगलियों और हाथों में जकड़न की शिकायत भी देखी जाती है। लेकिन एक रबर बैंड इस दिक्कत से निजात दिला सकती है। अगर आप ऐसे किसी प्रोफेशन में है तो आपको बस एक रबर बेस्ड हैंडबैंड खरीदना होगा। इसके बाद अपनी फिंगर्स के टिप को मिलाकर रबर बैंड के अंदर डालकर मुठ्ठी खोलने की कोशिश करना है। फिंगर टिप्स को उल्टी दिशा में बिना मोड़े हुए खोलने से आपकी फिंगर्स को भी टाइपिंग के स्ट्रेस से मुक्ति मिलेगी। यह एक्सरसाइज आप स्क्रॉल डाउन करते हुए, ईमेल पढ़ते हुए और टीवी देखते हुए भी कर सकते हैं।

## खतरनाक है कंधों को झुकाना

अगर आप काम करते करते अपने कंधों को झुका लेते हैं तो इस आदत को आज से ही बदल लीजिए क्योंकि ऐसा करने से आप गर्दन, कंधे के दर्द और पीठ के दर्द से परेशान हो सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको अपनी कंप्यूटर स्क्रीन को अपनी आंखों के ठीक सामने रखना होगा। जिससे आपको नीचे झुककर ना बैठना पड़े।

### आपकी ये आदत गले के कैंसर को देती है न्यौता

# चाय की गर्म चुस्कियां हो सकती हैं Dangerous

चाय की गर्म-गर्म चुस्कियां आपके लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ईरान में हुए एक अध्ययन के मुताबिक फटाफट बेहद गर्म चाय पीने से गले के कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। यह खबर गर्म चाय के शौकीनों और प्याले में तूफान की बात करने वाली चाय कंपनियों को परेशान कर सकती हैं। अगर गर्म चाय पर शोध करने वालों की मानें तो बेहद गर्म चाय फटाफट पीने से गले के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तो आइए हम आपको बताते हैं कि गर्म चाय पीने के क्या नुकसान हैं।

## पहले भी कर चुके हैं दावा

वैज्ञानिकों का कहना है कि चाय को थोड़ा–सा ठंडा होने दें, यानि उबलती हुई चाय पीने से बचें। इससे पहले ब्रिटेन के कुछ शोधकर्ता भी बेहद गर्म पेय पदार्थ पीने से बचने की सलाह दे चुके हैं। शोध करने वाले कहते हैं कि 70 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म चाय पीने पर गले के कैंसर का खतरा आठ गुना बढ़ जाता है। रिसर्च के मुताबिक अगर 65 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडी चाय पी जाए तो खतरे की संभावना न के बराबर है। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस के रेजा मलेकिजादेह का दावा है कि उन्होंने उत्तरी ईरान में 571 स्वस्थ लोगों के चाय पीने की आदत का अध्ययन किया।

## ज्यादातर लोगों की मौत

इस दौरान हर व्यक्ति ने एक दिन में एक लीटर बिना दूध की चाय पी। रेजा का दावा है कि जिन लोगों ने चाय दो मिनट से भी कम समय में पी, उनमें गले के कैंसर की संभावना धीरे–धीरे चाय पीने वालों से चार गुना ज्यादा पाई गई। उत्तरी ईरान के गोलेस्तान प्रांत में लोग मदिरापान और धूम्रपान बहुत कम करते हैं, लेकिन बावजूद इसके इस इलाके में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। वैसे दुनियाभर में गले के कैंसर के हर साल पांच लाख नए मामले सामने आते हैं, जिनमें ज्यादातर लोग दम तोड़ देते हैं।

# इन ड्रेसेज के साथ समर में अपनाएं कूल लुक

**समर फैशन एक बार फिर से रंगत बिखेर रहा है। खासकर साड़ियों में ऐसे फैब्रिक्स पसंद किए जा रहे हैं, जो सीजन में कूल रहते हैं। इन फैब्रिक्स में लिनन का क्रेज खास नजर आ रहा है। हालांकि लिनन की साड़ियों का ट्रेंड नया है, लेकिन यह धीरे-धीरे काफी लोकप्रिय हो रहा है। चंदेरी और कोटा डोरिया में भी खास इनोवेशन देखे जा रहे हैं, वहीं समर में ऐसे और भी कलेक्शन आप अपना सकते हैं, जिसने आप काफी कूल महसूस करेंगे।**

## कैप्री की डिमांड बढ़ी

मूवी देखने जाना हो या फिर शॉपिंग करने जींस का झंझट छोड़ अब गर्ल्स कैप्री और शार्ट्स पसंद कर रही हैं। उनके मुताबिक गर्मी में सबसे कंफर्टेबल ड्रेस है। यही वजह की मार्केट में लोकल ब्रांड से लेकर ब्रांडेड कैप्री और शार्ट्स की मांग बढ़ गई है। गर्मी में शार्ट्स व कैप्री की डिमांड कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। इन दिनों मार्केट में शार्ट्स, लैगिंस, कैप्री, जैगिंस और हैरम पैंट्स छाए हुए हैं।

## कॉटन चैक्स शॉर्ट्स

विभिन्न रंगों, डिजाइनों और मटेरियल में उपलब्ध ये समर वियर इन दिनों फैशन का पर्याय बन गई हैं। कॉटन चैक्स शार्ट्स की डिमांड गर्ल्स में सबसे ज्यादा है। ये कंफर्ट और कूल लुक देती है। कॉलेज कैंपस में अमूमन गर्ल्स को इसी ड्रेस में देखा जा सकता है। कूल कलर्स शार्ट्स को किसी भी टॉप के साथ वियर किया जा सकता है। इससे नया और स्टाइलिश लुक मिलेगा। इसके साथ होजियरी कैप्री भी पसंद की जा रही है। बड़े–बड़े फ्लॉवर प्रिंट, कार्टून, पोलका डॉट्स में ये लुभावने लगते हैं।

संपादकीय

# यह 'आर्थिक आतंकवाद' है

**राष्ट्रपति** ट्रंप के आदेश पर अमरीकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की नाकेबंदी शुरू कर दी है। ईरान की बंदरगाहों पर पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। जो जहाज ईरान को 'टोल' देकर गुजरते रहे हैं, अमरीका उन पर भी नाकेबंदी करेगा। उन जहाजों को भी रोका जाएगा और जांच होगी। युद्ध का नया आयाम खुल गया है। क्या अब ईरान के प्रतिरोध पर 'समुद्री युद्ध' का आगाज हो सकता है? चूंकि ईरान 90 फीसदी कच्चा तेल चीन को निर्यात करता रहा है, लिहाजा चीन की चेतावनी सामने आई है कि ईरान के साथ उसका समझौता है, लिहाजा उसमें हस्तक्षेप न करें। इस मुद्दे पर चीन के साथ रूस भी है। क्या अब चीन-रूस बनाम अमरीका का नया टकराव सामने आ सकता है? हम स्पष्ट कर दें कि विश्व युद्ध के कोई आसार नहीं हैं, जो सनसनी कुछ टीवी चैनल फैला रहे हैं। बहरहाल अमरीका और ईरान नाकेबंदी के जरिए जो कुछ कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से 'आर्थिक आतंकवाद' है। यदि एशिया महाद्वीप की ही बात करें, भारत-चीन-जापान जिसका हिस्सा हैं, उसकी करीब 389 करोड़ आबादी तेल-गैस और अन्य सामान से वंचित है। तेल रुकने से 59 फीसदी वैश्विक महंगाई बढ़ गई है। होर्मुज से 3 अरब बैरल तेल औसतन हररोज गुजरता था। खाने-पीने की चीजें, उर्वरक आदि के गंभीर संकट पैदा होते जा रहे हैं। भारत भी 35-40 फीसदी कच्चा तेल होर्मुज के रास्ते ही आयात करता था। भारत सरकार के पास मात्र 9.5 दिन के तेल का रणनीतिक भंडार है, शेष 64.5 दिनों के भंडारण तेल कंपनियों के पास हैं। भारत की आबादी के मद्देनजर यह तेल 'ऊंट के मुंह में जीरे' समान है। ईरान युद्ध और अब होर्मुज की नाकेबंदी के प्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय उद्योग पर भी दिखने लगे हैं। मसलन-राजस्थान के मेंहदी कारोबार का 300 करोड़ रुपए का सामान ठप पड़ा है। उसका सामान खाड़ी देशों को जाता था। वे सभी युद्ध से त्रस्त और ध्वस्त हैं। इसके अलावा, कांच की चूड़ियों का कारोबार, सिरेमिक टाइल्स, प्लास्टिक के उद्योग और खाद की कमी से खेती आदि पर घोर संकट हैं। सरकार कुछ भी दावे करे या सहानुभूति व्यक्त करे, लेकिन देश में 22 अरब रुपए का नुकसान हो चुका है। करीब 5.5 लाख रेस्तरां, छोटे होटल या तो बंद हो चुके हैं अथवा तालाबंदी के कगार पर हैं। श्रमिक पलायन कर अपने गांव लौट रहे हैं अथवा नोएडा, हरियाणा की कुछ कंपनियों के बाहर हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वाहन भी फूंक दिए गए। इस 'आर्थिक आपातकाल' में कंपनियां भी मजदूरों को पर्याप्त मेहनताना कैसे दें, क्योंकि उनके उत्पाद भी बेकार पड़े हैं। निर्यात संभव नहीं हैं। भारत खाड़ी देशों को 19 लाख करोड़ रुपए का सालाना निर्यात करता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। भारत ने एक बार फिर रूस से 19.75 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है। यह 2025 जितना ही है। हालांकि अमरीका की घुडक़ी और टैरिफ के भय के कारण भारत ने यह खरीद 6 लाख बैरल तक घटा दी थी। इसी तरह 2019 से ईरान से तेल लेना भी बंद कर दिया था। अब मौजूदा दौर में ईरानी तेल के दो टैंकर (20-20 लाख बैरल) भी भारतीय तटों पर आए हैं। अब हम अमरीका, अल्जीरिया, अंगोला, ओमान आदि देशों से भी कच्चा तेल आयात करने को विवश हैं। भारत की विदेश नीति, तेल आयात नीति और भंडारण की नीति सवालिया हैं। दरअसल हम कुआं खोदना तब शुरू करते हैं, जब आग धधकने लगती है। तेल का भंडारण आज भी उतना ही है, जितना 2014 में था, जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे। चीन में 110-140 दिन का भंडारण है और जापान 254 दिन के तेल का भंडारण रखता है। बहरहाल अब अमरीका और ईरान जो नाकेबंदियां कर रहे हैं, युद्धपोत, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, मिसाइल, ड्रोन और बारूदी सुरंगें जिस तरह तैनात हैं, उन्हें शेष दुनिया की चिंता भर भी नहीं है। फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, स्पेन सरीखे सहयोगी देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप की नाकेबंदी का विरोध किया है। वे अपने 'शांति मिशन' पर अलग से विचार कर रहे हैं। अमरीका के निशाने पर ईरान के साथ-साथ चीन भी है, जिसकी तेल-आपूर्ति पर भी पहरेदारियां बिठा दी गई हैं।

ईरान की बंदरगाहों पर पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। जो जहाज ईरान को 'टोल' देकर गुजरते रहे हैं, अमरीका उन पर भी नाकेबंदी करेगा। उन जहाजों को भी रोका जाएगा और जांच होगी। युद्ध का नया आयाम खुल गया है। क्या अब ईरान के प्रतिरोध पर 'समुद्री युद्ध' का आगाज हो सकता है? चूंकि ईरान 90 फीसदी कच्चा तेल चीन को निर्यात करता रहा है, लिहाजा चीन की चेतावनी सामने आई है कि ईरान के साथ उसका समझौता है, लिहाजा उसमें हस्तक्षेप न करें। इस मुद्दे पर चीन के साथ रूस भी है। क्या अब चीन-रूस बनाम अमरीका का नया टकराव सामने आ सकता है? हम स्पष्ट कर दें कि विश्व युद्ध के कोई आसार नहीं हैं, जो सनसनी कुछ टीवी चैनल फैला रहे हैं। बहरहाल अमरीका और ईरान नाकेबंदी के जरिए जो कुछ कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से 'आर्थिक आतंकवाद' है। यदि एशिया महाद्वीप की ही बात करें, भारत-चीन-जापान जिसका हिस्सा हैं, उसकी करीब 389 करोड़ आबादी तेल-गैस और अन्य सामान से वंचित है। तेल रुकने से 59 फीसदी वैश्विक महंगाई बढ़ गई है। होर्मुज से 3 अरब बैरल तेल औसतन हररोज गुजरता था। खाने-पीने की चीजें, उर्वरक आदि के गंभीर संकट पैदा होते जा रहे हैं। भारत भी 35-40 फीसदी कच्चा तेल होर्मुज के रास्ते ही आयात करता था।

### भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था

# कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

**28** फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है। भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। भारत खबर अपडेट पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है। भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था।

कुछ अलग

# मेरी चापलूसी अमर रहे...

**मित्रो!** मैं श्रेष्ठ नहीं, एक सफल चापलूस हूं। जो श्रेष्ठ होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में असफल होते हैं। सफल चापलूस होने के लिए जिस बेशर्मी की जीव में विशेष जरूरत होती है, उसकी मेरे पास कोई कमी नहीं। मेरे भीतर बेशर्मी कूट कूट कर भरी है। बाहर से सज्जन, भीतर से ठसाठस बेशर्म आदमी ही बेहतर किस्म का चापलूस हो सकता है। जो शर्म करते हैं उनसे चापलूसी नफरत नहीं, घृणा करती है। उन पर वह भर भर मुंह थूकती है। मुंह में थूक न होने के बाद भी। मित्रो! चापलूसी का चस्का राजनीति के चस्के की तरह का होता है जो मरते दम तक नहीं छूटता। जिस तरह देश के लिए समर्पित जिस जन नेता से ठीक ढंग से बात तक नहीं की जाती, जो अपनी टांगों पर ठीक ढंग से खड़ा तक नहीं हो पाता, जो अपनी टांगों पर चल नहीं सकता, जो अपने दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है, बावजूद इस सबकी परवाह किए बिना जैसे वह देश सेवा करने को पगलाया रहता है, ठीक उसी तरह मेरे जैसे चापलूसी त्याग हरि भजन में लीन होने का नाटक करते चापलूसी में सकाम लीन रहते हैं। कल वे आए। मुझे समझाने। आते ही मुझे वे मेरे हित के लिए समझाते बोले, 'देखो दोस्त! बहुत हुई अब ये चापलूसी। ऐसा करो, अब ये चापलूसी त्याग आगे की सोचो। अब तक तुम इतनी चापलूसियां कर चुके हो कि...अब तुम्हारी चापलूसियों का घड़ा भरा ही नहीं बल्कि तुम्हारी चापलूसियां घड़े से बाहर निकल पूरे सामाज में बह रही हैं।' 'देखो डियर! जिसे एक बार चापलूसी करने की लत लग जाती है वह मरने के बाद भी नहीं छूटती। मरने के बाद वह अपनी चापलूसी की अमर कहानियां यहीं छोड़ जाता है।

देश दुनिया से

# भाषा भी अपनी नहीं, फिर भी चौधरी अमरीका

**तब** के इंग्लैंड का, दुनिया के आज के अधिसंख्य देशों पर कब्जा था। जब यह कब्जा था, वह जमाना बीत चुका है। अब इस समय इंग्लैंड का स्थान अमरीका ने ले लिया है। अब अमरीका है, जो जबरन चौधरी बना हुआ है। अमरीका यदि इतना ही दमदार है तो उसके यहां इंग्लैंड की अंग्रेजी भाषा क्यों प्रचलित है? उसने अपनी अलग भाषा क्यों नहीं रची? आजकल यह प्रश्न बार-बार मन में उभर रहा है। इसका साधारण उत्तर यही है कि अलग-अलग यूरोपीय देशों से ऐसे लोग अमरीका में एकत्र होना आरंभ हुए, जिन पर भाषा के प्रभाव के रूप में अंग्रेजी हावी थी। स्वाभाविक है ऐसे में, एक देश बनने के बाद भी, अमरीका की अपनी कोई मूल भाषा नहीं है। जब भाषा अपनी नहीं, वेशभूषा अपनी नहीं, जीवन शैली अपनी नहीं और बहुत कुछ अपना नहीं, मूल रूप में अपना कुछ भी नहीं, तो तब उसका चौधरी बनना शोभा नहीं देता। जब से ईरान ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी, कि ईरान को वापस पाषाण युग में धकेल देंगे, का मुंहतोड़ उत्तर देते हुए कहा है, कि जो अमरीका मात्र 250 वर्ष पुरानी सभ्यता है, वो 2500 वर्ष पुरानी सभ्यता को पाषाण बनाने व खत्म करने की बात कर रहा है, तब से पारंपरिक ईरानी सभ्यता के प्रति लगाव महसूस हो रहा है। निश्चित रूप में 2500 वर्ष पहले तो ईरान खामेनेई जैसों के हिसाब से तो नहीं ही चलता होगा। अमरीका तो तब था ही नहीं, इसलिए इस संदर्भ में उसका उल्लेख हो ही नहीं सकता। वास्तव में इंग्लैंड के प्रतिनिधित्व में ईसाई मिशनरियों की पैदाइश ही देश-दुनिया के तमाम उलटे-सीधे कामों की जिम्मेदार है। ऐसे कामों की कमाई पर आबाद होते आ रहे इंग्लैंड व अमरीका जैसे देश दुनिया के मानचित्र पर ऐसे चमचमाते भूखंडों में बदलते रहे, जिनकी चमक का असली राज ईसाई मिशनरियों के वैश्विक भ्रष्टाचार में ही छुपा है। ट्रंप से उम्मीद थी कि वे अमरीकी कांग्रेसियों और मिशनरियों के वर्षों के ऐसे कुशासन पर चढक़र उसे तोडफ़ोड़ देंगे और स्वराष्ट्रीयता के गौरव से संचित एक नवीन अमरीका की स्थापना करेंगे। पहले कार्यकाल में वे इस दिशा में कुछ करते हुए दिखाई भी दिए, लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे घाघ अमरीकी कांग्रेसियों और ईसाई मिशनरियों की नीतियों को ही लागू करने के लिए विवश हो गए हैं। शायद उन्हें भी नव अमरीकी गौरव की तुलना में निजी सत्ता सुख ज्यादा आकर्षक लगने लगा है। दुनिया के देशों पर शुल्कों की थोप हो, चाहे शांतिदूत बनते-बनते और नोबल का शांति पुरस्कार पाने की लालसा में उल्टे-सीधे अनावश्यक मीडिया वक्तव्य देते-देते खुद को हास्यास्पद बनाना हो अथवा शांतिदूत की भूमिका में बंधने की तुलना में पश्चिम एशिया में युद्ध के निर्णय लेना, सभी स्थितियों में ट्रंप विरोधियों के लिए ही नहीं, बल्कि अधिसंख्य समर्थकों के लिए भी व्यर्थ हो चुके हैं। इन परिस्थितियों के बाद, अब इस लेखक के दायें-बायें अथवा यहां-वहां जो भी हिंदुस्थानी अंग्रेजी भाषा में कुछ बोलता है, तो इसे वो महामूर्ख प्रतीत होता है। इंग्लैंड, अमरीका में तथा अंग्रेजी भाषा बोलने वाले अन्य देशों में पैदा हुए मूल हिंदुस्थानियों की वाणीशैली को सुनकर तो प्रतीत होता है कि वह विदेशियों की ही तरह अंग्रेजी बोल रहे हैं, पर हिंदुस्थान में पैदा किसी भी व्यक्ति के मुंह से अंग्रेजी सुनकर उस पर हंसी आती है। वह धुत बेवकूफ लगता है। अंग्रेजों और अमरीकियों की अखिल वैश्विक कारस्तानियों का एहसास होने के बाद तो इंग्लैंड, अमरीका की अंग्रेजी भाषा समेत उनकी अनेक जीवन गतिविधियों से गहन चिढ़ हो गई है। इस देश में अंग्रेजी बोलकर अपना विद्व-वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश करने वाले भारतीयों को मैं सीधे कहता हूं कि क्यों ये अनुपयोगी भाषा बोल रहे हो। उन्हें सामने ही एहसास करा देता हूं कि मैं उनसे प्रभावित नहीं हूं, बल्कि उन्हें अंग्रेजी बोलता देखकर तो व्यंग्य-विनोद व आमोद-प्रमोद सूझता है। उन पर वैसी ही हंसी छूटती है, जैसे किसी मूर्ख के मूर्खतापूर्ण आचरण पर छूटती है। विज्ञापनों, फिल्मों, वीडियो, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों, बाजारों-सडक़ों में अंग्रेजी बोलते भारतीयों को देख लगने लगा है कि उनकी मूर्खता की गहराई कितनी अधिक है। इस लेखक ने अंग्रेजी के वर्चस्व को तोडऩे का ये तरीका निकाला है कि जो भी भारतीय, जहां भी, हिंदी जानते हुए भी, अंग्रेजी ही बोलता है या बोलने का प्रयास करता है, उसे अपमान की दृष्टि से देखा जाए। उससे प्रभावित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। उस पर दया दिखाने की आवश्यकता है। उसे पूरी तरह एहसास कराया जाए कि वह बड़ा बेवकूफ है। उसे कठोर हावभाव दिखाकर कहा जाए कि हिंदी नहीं आती क्या। उसे झिडक़ा जाए। उसे डांटा जाए। उसे कहा जाए कि हिंदी में बोलेगा तो बात कर, नहीं तो चुप हो जा। उसे हर तरह महसूस कराया जाए कि उसकी वाणी से अंग्रेजी सुनकर, सुनने वाले की दृष्टि में उसकी जो भी बेइज्जती हो रही है, वह इसीलिए हो रही है, क्योंकि वो अंग्रेजी बोलकर श्रेष्ठ होने की दुर्भावना से भरा हुआ है। जैसे हिंदी नहीं जानने वाले या जानकर भी नहीं जानने का अभिनय कर, अंग्रेजी बोलने वाले खुद के लिए अभिमान से और हिंदीभाषियों के लिए हिकारत से भरे होते हैं, ठीक वैसे ही अंग्रेजी नहीं जानने या कम जानने अथवा टूटी-फूटी जानने वाले भारतीयों को अपनी इस गति पर विशाल अभिमान हो, और अनावश्यक ही अंग्रेजी बोलने वालों को हिकारत भेजें। जब से यह लेखक ऐसा अभ्यास कर रहा है, तब से अनावश्यक अंग्रेजी बोलने वालों को निकृष्ट ही समझ रहा है। अब अंग्रेजी बोलने वाले बगलें झांकते हैं। शर्मिंदा होते हैं। हिंदी बोलने लगते हैं। यदि आज दुनिया के पिछड़े देश अमरीका और इंग्लैंड जैसे देशों में जाने, रोजगार करने और वहां रहने के लिए मरे जा रहे हैं, तो उसका कारण इन देशों की अंग्रेजी भाषा, संस्कृति या समृद्ध परंपरा नहीं है। उसका एक ही कारण है कि इन देशों ने दुनिया से लूटे हुए धन-संसाधन के बल पर बड़े-बड़े भवन, विशाल अट्टालिकायें तथा साफ-सुथरी सडक़ें बनाकर अपने सार्वजनिक परिवेश को जीने-रहने योग्य बना रखा है। इन परिस्थितियों में, दु:ख ये है कि दुनिया में दादागीरी करने, शुल्क थोपने की नीति बनाने, युद्ध भडक़ाकर अपना हित साधने की नीति पर चलने तथा मनमानियां करते हुए अनेक अमानवीय कार्य करने वाले अमरीका का दुनियाभर के अधिसंख्य लोग विरोध तो कर रहे हैं, पर अमरीका जाने और वहां का वीजा पाने के लिए भी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है। इसके रहते हुए तो अमरीका कभी नहीं सुधरने वाला। विदेशी भाषाएं सीखना अनुचित नहीं है। दुनिया का कोई भी व्यक्ति अपने देश की अथवा विदेशों की कितनी ही भाषाएं सीख ले, यह तो अच्छी बात है, और जहां तक रोजी-रोजगार के लिए भाषाएं सीखने की आवश्यकता की बात है, तो इस हिसाब से तो दुनिया में भारत और चीन की क्रमश: हिंदी व मंदारिन भाषाएं सबसे अधिक सीखी जानी चाहिए, क्योंकि दुनिया का हरेक व्यापार इन दोनों देशों की ढाई अरब के लगभग जनसंख्या द्वारा की जाने वाली मांग पर ही अधिक निर्भर है।

पुण्य तिथि पर विशेष

# प्रेरणादायक मार्गदर्शक मुनींद्र जी

प्रेरणादायक मार्गदर्शक मुनींद्र जी – एक बहुत लंबा अंतराल...मैं उनको पितामह स्वरूप गुरु, मार्गदर्शक जिन्होंने मुझे हमेशा अच्छाइयों और गुणवत्ता की जांच का एहसास कराया । उनसे पहली मुलाकात हमारे कॉलेज (विवेक वर्धिनी महाविद्यालय) के ही कार्यक्रम में हुई, जहाँ मैं कार्यक्रम का संचालन कर रही थी..और मुझे परखने वाले गुरु, पिता, मार्गदर्शन करने वाले प्रेरणा दायक प्रेरित करने वाले मुनींद्र जी उपस्थित थे। किसी भी कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी मैं निभाती रही और पितामह गुरु, शुभेच्छु , मार्गदर्शक मुनींद्र जी किसी भी विषय पर आयोजित समारोह में मुस्कुराते हुए मुझे मौका देते रहे और मैं आगे बढ़ती चली। गयी मुस्कराता चेहरा और अपनत्व की भावना और प्रेम से लबालब भरी आंखे...जिसमें गुरु, दोस्त, साथी, पिता, मार्गदर्शक, और जीवन के अनुभवों और उतार–चढ़ाव को संतुलित करने वाले प्रेरणा दायक व्यक्तित्व का दायित्व निभाने वाले मुनींद्र जी थे। समूचे रिश्तों को मजबूत करने की जिम्मेदारी निभाने वाले..और सदा मुस्कुराते हुए हर काम को अंजाम देने वाले....मुनि+इंद जी अर्थात मुनींद्र जी सचमुच में हिंदी जगत के समर्पित मुनि थे।

जीवन के अनुभवों और उतार–चढ़ाव के कई कारण आते और जाते रहे..लेकिन कभी एहसास नहीं कराया। और खुद की समस्यायों को एक किनारा कर...दूसरों को अपना बना लेने की खासियत उनमें थी । आनंद ऋषि साहित्य पुरस्कार के कार्यक्रम और योजन–ाओं की जानकारी दे सभी के साथ मुझे भी अपनत्व की भावना के साथ जोड़ा और परिवार का हिस्सा बनाया,अद्भुत थे...हर किसी के साथ अपनत्व की भावना ..कैसे हो सकती है, लेकिन इस तरह के सर्व संपन्न गुण है...लाखों में एक ..गुरु मुनींद्र जी थे।

कई भावनात्मक रिश्ते जीवन का एहसास तो कराते हैं और सिखाते भी है, जिसे जीवन पर्यंत पल पल याद किया जाता है और याद करते भी है, और अपने आसपास महसूस भी करते हैं, हर पल हर क्षण...जीते हैं, कभी उदाहरण के साथ कभी यादों के साथ..अनुभवों का, विश्वास और अपनत्व की भावना के साथ..रिश्तों की मजबूती और जिम्मेदारियां को निभाने की, प्रेरणा देते। हिंदी के प्रति देश की जनता को जागरूक करने की प्रबल इच्छा उनमें थी। हिंदी प्रेम को प्रेरित कर आगे बढ़ना और बढ़ाना.की भावना कूट कूट कर भरी थी। कहने को बहुत कुछ है। जिसे लिखा जा सकता है महसूस किया जा सकता है क्षण क्षण पल पल, इतना कुछ है लिखने और कहने को आलेख छोटा पडे। नये युवा लेखकों, कवियों और समीक्षकों आदि को बढावा दिया। नियमित संपर्क कर उनसे अपनी पत्रिका में लिखवाते। उनको लिखने के लिये प्रोत्साहित करते। उनका मार्गदर्शन... हमेशा साथ रहा और रहेगा... यादों में, विचारों, रिश्तों नातों, अच्छाइयों...भावनात्मक भावनाओं में.. वह हिंदी और संस्कृति के अनन्य सेवी जो थे।

–डॉ. रेखा शर्मा

दृष्टि कोण

# हिंदी के पक्ष में कर्नाटक के बच्चों ने दिखायी राह

**दक्षिण** भारत के ताकतवर क्षेत्रीय दलों के लिए, राष्ट्रीय दलों को किनारे करने का ताकतवर हथियार रही है हिंदी। दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय दलों को उत्तर भारतीय मानसिकता का नजदीकी जताने-बताने में भी सफल हैं। तमिलनाडु के मौजूदा विधानसभा चुनाव के बीच भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन हिंदी को मुद्दा बना रहे हैं। वह सीधे-सीधे भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वह तीसरी भाषा के नाम पर हिंदी थोप रही है। पिछली शताब्दी में हिंदी विरोधी आंदोलन से तमिलनाडु सुलग उठा था। तब से, विशेषकर द्रमुक अपनी राजनीति चमकाने के लिए हिंदी थोपने का डर राज्य को दिखाती रही है। कर्नाटक में हिंदी विरोध को लेकर तमिलनाडु जैसा हिंसक आंदोलन तो नहीं हुआ, लेकिन वहां भी विरोधी सुर उठते रहे हैं। लेकिन इसी कर्नाटक से हिंदी को लेकर आयी रिपोर्ट दक्षिण भारतीय राज्यों के हिंदी विरोधी नैरेटिव की पोल खोल रही है। कर्नाटक की बोर्ड परीक्षाओं में नयी शिक्षा नीति के तहत तीन भाषाओं की पढ़ाई जरूरी हो चुकी है। इनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। आमतौर पर गैर हिंदीभाषी राज्यों के छात्र पहली भाषा के तौर पर अपने राज्य की भाषा चुनते हैं, दूसरी भाषा के तौर पर अंग्रेजी का ही जोर रहता है। तीसरी भाषा के रूप में कई भारतीय भाषाओं के विकल्प हैं। लेकिन कर्नाटक की बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष बैठ रहे आठ लाख, दस हजार छात्रों में से करीब 93 प्रतिशत ने तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को चुना है। जिस राज्य में महज नौ वर्ष पहले 'कर्नाटक रक्षणा वेदिके' संगठन मेट्रो स्टेशनों का नाम हिंदी में लिखने के विरोध में आंदोलन चला चुकी हो, वहां भारी संख्या में छात्रों द्वारा हिंदी का चयन सुखद कहा जा सकता है। इससे साफ है कि हिंदी विरोधी राजनीति और हिंदी के जमीनी विरोध की हकीकत अलग है। कर्नाटक के ठीक बगल के राज्य तमिलनाडु में हिंदी को लेकर छात्रों में ऐसा उत्साह नहीं दिख रहा, तो इसकी वजह यह है कि सत्ताधारी द्रमुक राजनीति ने राज्य में त्रिभाषा फॉर्मूला अभी लागू नहीं किया है। ठीक चुनावों के बीच स्टालिन द्वारा हिंदी थोपने का मुद्दा बनाने का उद्देश्य राज्य

में हिंदी को लेकर ध्रुवीकरण करना है। इसके जरिये वह अन्नाद्रमुक के सामने धर्मसंकट की स्थिति बनाने की कोशिश भी कर रहे हैं। पर इतना तय है कि यदि तमिलनाडु में भी हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने का मौका मिले, तो वहां भी छात्रों की संख्या बढ़ सकती है। तमिल धरती पर हिंदी के विरोध में भले ही साठ वर्ष पहले आंदोलन हो चुका हो, पर आज की तमिल माटी के कई सपूत हिंदी सीखने की वकालत कर रहे हैं। जोहो के संस्थापक श्रीधर बेंबू ने पिछले वर्ष फरवरी में कहा था कि तमिलनाडु में हिंदी न जानना भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में गंभीर बाधा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा था कि उनके इंजीनियरों को गैर तमिल ग्रामीण इलाकों में काम करते वक्त हिंदी न जानने की वजह से परेशानी होती है। इससे उनकी कंपनी का कारोबार और प्रदर्शन प्रभावित होता है। हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा ले चुकी तमिल पीढ़ी अब बुजुर्ग हो चुकी है। वह मानती है कि हिंदी न सीखने की वजह से उसे बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए राज्य में हिंदी सिखाने वाली संस्थाओं की संख्या बढ़ी है। कई पब्लिक स्कूल अपने विज्ञापन में हिंदी पढ़ाने को अपने यहां की विशेष सहूलियत के रूप में दिखाते हैं। तमिलनाडु और कर्नाटक के पड़ोसी केरल के लोगों में अपनी मलयालम भाषा को लेकर गहरा प्रेम है। वे हिंदी से शिद्दत से प्यार भले न करें, लेकिन तमिलनाडु की तरह विरोध भी नहीं करते। यही स्थिति कर्नाटक की भी है। मीडिया के चौतरफा प्रवाह और विकास तथा चैट जीपीटी एवं जेमिनी जैसी तकनीकों की वजह से भाषाएं अब सीखने की राह की बाधा नहीं रहीं। ज्यादा भाषाओं का ज्ञान और बोध व्यक्ति के मानस को समृद्ध ही बनाता है।

SHOOTING LEAGUE OF MAHARASHTRA
MAHARASHTRA RIFLE ASSOCIATION

# महाराष्ट्र में पहली बार शूटिंग लीग का आयोजन, पुणे 17 से 19 अप्रैल तक करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

**महाराष्ट्र में निशानेबाजी खेल को नई दिशा देने की पहल के तहत पहली बार शूटिंग लीग आफ महाराष्ट्र का आयोजन किया जा रहा है। यह लीग 17 से 19 अप्रैल तक पुणे के अमनोरा पार्क स्थित छत्रगुज नर्सेस स्कूल में आयोजित होगी।**

महाराष्ट्र राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह लीग देश में शूटिंग लीग आफ इंडिया के ढांचे को राज्य स्तर पर लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में कर्नाटक में सफल आयोजन के बाद अब महाराष्ट्र इसका अगला चरण बन रहा है।

इस लीग का मुख्य उद्देश्य राज्य में प्रतिभाओं को मंच देना, प्रतिस्पर्धा को मजबूत करना और निशानेबाजी खेल को आम दर्शकों तक पहुंचाना है। आयोजन के जरिए खेल की लोकप्रियता बढ़ाने और नए खिलाड़ियों को प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया है।

### 18 टीमें, 144 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

इस पहली लीग में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों की 18 टीमें भाग लेंगी, जिनमें कुल 144 खिलाड़ी 10 मीटर राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। खास बात यह है कि लीग टीम आधारित प्रारूप में खेली जाएगी, जिससे क्षेत्रीय पहचान और प्रतिस्पर्धा का स्तर और मजबूत होगा।

लीग में छोटे और तेज फार्मेट के मुकाबले होंगे, जिससे दर्शकों के लिए मुकाबले अधिक रोमांचक और समझने में आसान बनेंगे।

### ओलंपियन और दिग्गज खिलाड़ी निभाएंगे मेंटर की भूमिका

इस लीग में भारत के कई दिग्गज निशानेबाज और कोच मेंटर के रूप में शामिल होंगे। इनमें राही सरनोबत, अंजली भागवत, सुमा शिरूर, दीपाली देशपांडे, तेजस्विनी सावंत, रुद्रांश पाटिल और कोच रोनक पंडित जैसे नाम शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी युवा प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देंगे।

### समान अवसर का संदेश

लीग में किसी भी प्रकार का लैंगिक भेदभाव नहीं रखा गया है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ी एक साथ टीमों में खेलेंगे, जिससे समान अवसर और समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

### खेल के विकास की दिशा में अहम कदम

महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों की भागीदारी के साथ यह लीग राज्य में निशानेबाजी के आधार को मजबूत करने और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में मददगार साबित होगी। साथ ही, यह आयोजन खेल और दर्शकों के बीच बेहतर जुड़ाव बनाने की दिशा में भी एक अहम पहल माना जा रहा है।

शूटिंग लीग आफ महाराष्ट्र का यह पहला संस्करण देश में शूटिंग लीग आफ इंडिया के व्यापक विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

## न्यूज ब्रीफ

### किरोड़ीमल कॉलेज ने जीता बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

**नई दिल्ली ।** किरोड़ीमल कॉलेज ने मंगलवार रात दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में आयोजित 5वें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जो एक्स्ट्रा टाइम तक पहुंचा। अंततः किरोड़ीमल कॉलेज ने मेज़बान खालसा कॉलेज को 79–78 के बेहद करीबी अंतर से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। किरोड़ीमल कॉलेज के देव कपूर को फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खालसा कॉलेज के हार्दिक शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश कालिया, पीएसपीबी के सलाहकार ललित वत्स, डीबीए के महासचिव अशोक रंगीन और डीयूएससी के सहायक निदेशक डॉ. सुशील कुमार भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. गुरमोहिंदर सिंह और डीपीई डॉ. इंदरप्रीत कौर की भी उपस्थिति रही। टूर्नामेंट का आयोजन पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और अयूथ वेदा के सहयोग से किया गया था, जबकि इसका सीधा प्रसारण 'इंडियन लाइव स्पोर्ट्स हब पर किया गया।

### आईपीएल 2026: धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

**चेन्नई।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई। इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

### पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

**लिवरपूल।** पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से

हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया। डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा। मैच में बैलन डीआर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बाक्स के बाहर से सटीक शाट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी। पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा। इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा। लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

# लखनऊ को हराने के लिए आरसीबी को नहीं करनी पड़ी मेहनत पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंची डिफेंडिंग चैंपियन

बेंगलुरुः डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टीम ने सीजन के 23वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहले खेलते हुए लखनऊ की पारी आखिरी गेंद पर 146 रनों पर सिमट गई। आरसीबी ने टारगेट को आसानी से 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया है। 5 मैचों में 4 जीत के साथ आरसीबी के 8 पॉइंट हो गए हैं। नेट रन रेट में वह राजस्थान रॉयल्स से बेहतर है और इसलिए टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। 5 मैचों में लखनऊ की यह तीसरी हार है।

**लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी**

पावरप्ले में आरसीबी के गेंदबाजों ने कमाल की बैटिंग की और सिर्फ 35 रन दिए।

ऋषभ पंत 5वें ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद पर इंजर्ड होकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

हेजलवुड ने चार ओवर के स्पेल में 20, रसिख सलाम ने 24 और भुवनेश्वर कुमार ने 27 रन दिए।

मिचेल मार्श ने 32 रन बनाने के लिए 40 गेंदों का सामना किया। निकोलस पूरन (1) फिर फेल रहे।

रसिख ने 4 जबकि भुवी ने तीन विकेट लिए। क्रुणाल पंड्या ने दो शिकार किए।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ को एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 32 रन जुटाए। मार्करम 8 गेंदों में 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान पंत बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे, लेकिन अपनी पारी की तीसरी ही गेंद पर यह बल्लेबाज चोटिल हो गया, जिसके बाद रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा।

इस बीच मार्श 32 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 40 रन बनाकर आउट हो गए।इस टीम ने 118 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे, लेकिन अगले ही ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने उन्हें अपना शिकार बना दिया। पंत 1 रन ही बना सके। आयुष बडोनी ने 24 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 38 रन बनाए जबकि मुकुल चौधरी ने 28 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 39 रन की पारी खेली। रसिख सलाम डार ने 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए।

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पारी**

लखनऊ के फील्डर की गलती से विराट कोहली पहले ही ओवर में रन आउट होने से बचे।

फिल साल्ट दूसरे ओवर में 7 रन बनाक प्रिंस यादव की गेंद पर बोल्ड हो गए। विराट कोहली ने पावरप्ले में विस्फोटक बैटिंग करते हुए 200 की स्ट्राइक रेट से 20 गेंद पर 40 रन बनाए।

रजत पाटीदार ने 13 गेंद पर 27 और जितेश शर्मा ने 9 गेंद पर 23 रन बनाए। टिम डेविड ने 8 गेंद पर 14 और रोमारियो शेफर्ड भी 8 गेंद पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे मैच मैच फिनिश किया।

आरसीबी ने 1.4 ओवर में महज 9 के स्कोर पर फिल साल्ट (7) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 57 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

पड्डिकल 11 गेंदों में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया। कोहली ने 34 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 49 रन की पारी खेली।

# ब्रिटेन की क्रिकेट पत्रिका विजडन के दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनने पर आगरा में खुशी

आगरा

क्रिकेट जगत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगरा का नाम रोशन करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक और उपलब्धि हासिल कर आगरा का गौरव बढ़ाया है। ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पत्रिका ने दीप्ति शर्मा को साल का सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है।इससे उत्तर प्रदेश के आगरा में खुशी की लहर की है।

भारतीय आलराउंडर दीप्ति शर्मा को विजडन अल्मानैक 2026 में प्रतिष्ठित लीडिंग वुमन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड (वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर) के रूप में रैंकिंग देकर सम्मानित किया गया है। उन्होंने 2025 आई सी सी महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 22 विकेट लेने और 215 रन बनाने के लिए यह पुरस्कार जीता। विजडन पत्रिका में दीप्ति का नाम दर्ज होने के बाद आगरा के खेल प्रेमियों और क्रिकेट साधकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके भाई क्रिकेट कोच सुमित शर्मा, दीप्ति के पिता भगवान शर्मा, मां सुशीला शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे आगरा का सम्मान बताया।

दीप्ति शर्मा के भाई और क्रिकेट कोच सुमित शर्मा ने बताया कि दीप्ति ने हर स्तर पर काबिलियत साबित की है और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विजडन अवार्ड मिलने से परिवार के सभी सदस्यों, परिचितों और मित्रों में बहुत खुशी है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन आगरा के अध्यक्ष सुनील जोशन से बातचीत में उन्होंने बताया कि दीप्ति को विजडन अवार्ड मिलना आगरा क्रिकेट इतिहास में एक गौरवपूर्ण घटना है। इस सम्मान से यहां के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और क्रिकेट में अपना करियर बनाने के लिए एक जोश पैदा होगा। उल्लेखनीय है कि विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित वार्षिक क्रिकेट पत्रिका है। 1864 से हर साल प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका की शुरुआत प्रसिद्ध क्रिकेटर जान विजडन ने की थी। इस किताब में दिए गए आंकड़े और विश्लेषण क्रिकेट का सटीक और मानक विश्लेषण माना जाता है।

## वैभव को लेकर मैरा आंकलन सही निकला : इरफान पठान

**मुम्बई ।** पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे बड़े-बड़े गेंदबाजों की पिटाई करके सुर्खियां बटोरने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के एक नये गेंदबाज के सामने शून्य पर आउट होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका इस बल्लेबाज को लेकर आंकलन सही था। यह पहली बार था जब वैभव टी20 क्रिकेट में गोल्डन डक हुए। सनराइजर्स हैदराबाद के प्रफुल्ल हिंगे ने उन्हें अपनी पहली ही गेंद पर आउट किया था। इसी को लेकर पठान ने मजाकिया अंदाज में कहा है कि वैभव को लेकर उनका अंदाजा गलत नहीं था। पठान ने इससे पहले सोशल मीडिया पर कहा था कि वैभव जानबूझकर बड़े गेंदबाजों को निशाना बनाते हैं। उनकी यह बात तब चर्चाओं में आई जब वैभव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में बुमराह के एक ही ओवर में दो शानदार छक्के लगा दिये थे। उस मैच में सूर्यवंशी ने बुमराह की पांच गेंदों का सामना करते हुए कुल 13 रन बनाए थे। पठान ने उस समय लिखा था, क्या वैभव सनसनी फैलाने बड़े गेंदबाजों को जानबूझकर निशाना बनाते हैं? मुझे ऐसा ही लग रहा है। वहीं पिछले साल आईपीएल में अपने डेब्यू मैच में ही उन्होंने शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का जड़कर शुरुआत की थी। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में भी अपनी आक्रामक शैली जारी रखी है। उन्होंने जसप्रीत बुमराह के सामने पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था।

# फिडे कैंडिडेट्स 2026 : सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली

फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रा खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रा के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.द4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रा खेला, वेई यी ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रा रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

# रोहित के नेट सत्र में नहीं उतरने से उनकी फिटनेस को लेकर प्रशसकों की चिन्ताएं बढ़ीं

मुम्बई

**मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर चले गये थे। इसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर प्रशंसकों के साथ ही टीम मैनेजमेंट की भी चिंताएं बढ़ गई थीं। वहीं गत दिवस वह नेट अभ्यास के लिए नहीं उतरे जिससे पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 अप्रैल को होने वाले मैच में उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।**

हालांकि इस मामले पर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित की चोट गंभीर नहीं है और वह ज्यादा समय तक टीम से बाहर नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी हैमस्ट्रिंग के स्कैन में जिसमें किसी भी प्रकार के टियर (मांसपेशी फटने) के संकेत नहीं मिले, जो प्रशंकों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय था।

वहीं अगर रोहित बाहर होते हैं तो ये मुंबई इंडियंस के लिए परेशानी का कारण हो सकता है। इस सत्र में उन्होंने शीर्ष क्रम में रयान रिकेल्टन के साथ एक अच्छी साझेदारी बनायी है और अगर ये जोड़ी टूटती है तो टीम को नुकसान हो सकता है। हालांकि टीम के पास क्विंटन डीकाक जैसे अनुभवी बल्लेबाज विकल्प के तौर पर हैं पर उन्हें शामिल करने से विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में बदलाव करना पड़ेगा। इसके अलावा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे मिडिल आर्डर के बल्लेबाजों की खराब फार्म भी मुंबई के लिए एक बड़ी चिंता रही है, क्योंकि टीम जितनी मजबूत नजर आ रही है। मैदान पर उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। ऐसे मे प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि रोहित की चोट गंभीर न हो।

### शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

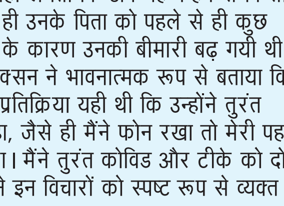

**सिडनी।** दिग्गज आस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी। जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा। जैक्सन ने साथ ही कहा, भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया। जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था।

# होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी के बीच भारत को बड़ी राहत, एलपीजी टैंकर जग विक्रम कांडला पहुंचा

नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट में जारी अमेरिका की नाकेबंदी के बीच भारतीय एलपीजी टैंकर जग विक्रम भारत पहुंचने में सफल रहा।20,400 मेट्रिक टन एलपीजी लेकर यह टैंकर गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंचा। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के लिए अस्थाई सीजफायर का ऐलान होने के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट पार करने वाला यह पहला भारतीय जहाज है। एलपीजी टैंकर जग विक्रम 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में सफल हुआ था। मार्च की शुरुआत के बाद से अभी तक होर्मुज के पश्चिमी हिस्से से होकर निकलने वाला यह भारत का नौवां जहाज है। पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के पहले होर्मुज स्ट्रेट के आसपास 28 भारतीय जहाज मौजूद थे इनमें से 24 जहाज इसके पश्चिमी हिस्से में थे, जबकि चार जहाज पूर्वी हिस्से में फंसे हुए थे। ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह का अस्थाई सीजफायर शुरू होने के पहले होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी हिस्से से भारत के आठ जहाज सफलतापूर्वक निकल गए थे। इसी तरह पूर्वी हिस्से से भी दो भारतीय जहाज सुरक्षित निकालने में सफल रहे थे। अब एलपीजी टैंकर जग विक्रम भी होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में हिस्से से निकालकर सुरक्षित भारत पहुंच गया है। हालांकि अभी भी कई भारतीय जहाज होर्मुज स्ट्रेट के आसपास फंसे हुए हैं। इसी तरह बड़ी संख्या में विदेशी जहाज भी फारस की खाड़ी में अटके हुए हैं और होर्मुज स्ट्रेट के पहले की तरह खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत पेट्रोलियम उत्पादों की अपनी जरूरतों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत क्रूड आयल अंतरराष्ट्रीय बाजार से आयात करता है। इसी तरह देश की जरूरत का लगभग 50 प्रतिशत नेचुरल गैस और लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी भी आयात किया जाता है। खाड़ी देशों से आने वाले क्रूड आयल और गैस की ज्यादातर सप्लाई खाड़ी देशों से हार्मुज स्ट्रेट के रास्ते से ही होती है, लेकिन पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से यह रास्ता लगभग ठप पड़ गया है। इसकी वजह से भारत में एलपीजी की सप्लाई भी काफी हद तक प्रभावित हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### बहु प्रतीक्षित हुआवे पुरा 90 प्रो सीरीज जल्द होगी लान्च

**नई दिल्ली।** चालू महीने के अंत में चीन में बहुप्रतीक्षित हुआवे पुरा 90 प्रो सीरीज लान्च होने जा रही है। इस सीरीज में पुरा 90 प्रो और पुरा 90 प्रो मेक्स माडल शामिल होंगे। लान्च से पहले ही कंपनी ने इन फोन्स के डिज़ाइन, कलर आप्शन्स और स्टोरेज वेरिएंट्स का खुलासा कर दिया है। हुवावे पुरा 90 प्रो माडल कोकोनट व्हाइट, मलबेरी ब्लैक, आरेंज सोडा और पिंक ग्वावा जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा, जबकि पुरा 90प्रो मेक्स डान गोल्ड, एमराल्ड लेक, आब्सीडियन ब्लैक, आरेंज ओशन और सनसेट पर्पल जैसे शेड्स में आएगा। दोनों फोन 12जीबी प्लस 256जीबी से लेकर 16जीबी प्लस1टीबी तक के विभिन्न रैम और स्टोरेज विकल्पों में पेश किए जाएंगे। इन फोन्स का सबसे विशिष्ट डिज़ाइन एलिमेंट इनका तिकोना कैमरा माड्यूल है, जिसमें पिरामिड जैसी बनावट में तीन गोल लेंस लगे हैं, जो इन्हें एक अनूठी पहचान देते हैं। उम्मीद है कि ये डिवाइस किरिन 9030 प्रो चिपसेट द्वारा संचालित होंगे, जिसमें नौ-कोर का सेटअप होगा। ये फोन हार्मोनी ओएस 6 पर चल सकते हैं और हाइपरस्पेस मेमोरी टेक्नोलाजी को सपोर्ट करेंगे, जिससे मल्टीटास्किंग और बैकग्राउंड ऐप मैनेजमेंट में बेहतर परफार्मेंस की उम्मीद है। चीन में इन फोन्स के लिए प्री-आर्डर शुरू हो चुके हैं और ये 20 अप्रैल को लान्च होंगे।

# ईरान से दोबारा बातचीत शुरू होने की उम्मीद के कारण ग्लोबल मार्केट से तेजी के संकेत, एशिया में भी चौतरफा मजबूती का रुख

नई दिल्ली

**पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जल्दी हल निकलने की उम्मीद के कारण दुनिया भर के बाजार में जोश का माहौल बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी चौतरफा खरीदारी हो रही है। ईरान के साथ दोबारा बातचीत शुरू होने का संकेत मिलने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जान्स 600 अंक तक उछल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 81.14 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,967.38 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 455.35 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,639.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 80.74 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,616.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।**

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान जोश बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,609.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 91.88 अंक यानी 1.10 प्रतिशत उछल कर 8,327.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 301.78 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,044.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। थाईलैंड के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 335 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,212.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 263.68 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,136 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 180.92 अंक यानी 3.03 प्रतिशत उछल कर 6,148.67 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 599.50 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36,895.62 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 454.61 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 58,332 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,031.66 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत उछल कर 4,041.45 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,688.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# स्ट्रांग हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर पूरा फोकस कर रही टोयोटा

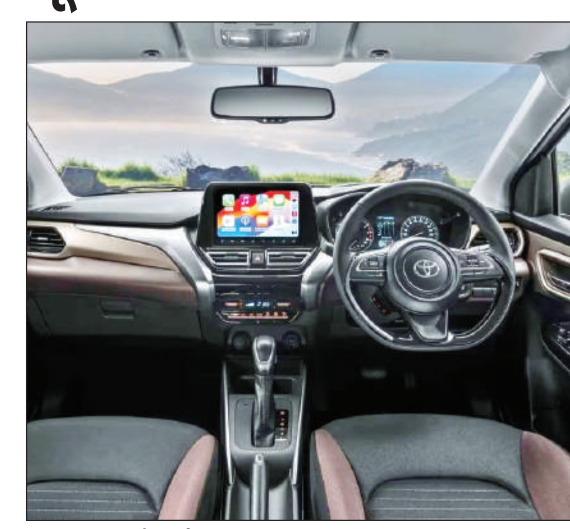

नई दिल्ली

**मशहूर कंपनी टोयोटा अब डीजल इंजनों से दूरी बनाते हुए स्ट्रांग हाइब्रिड टेक्नोलाजी पर अपना पूरा फोकस कर रही है। यदि आप भी नई गाड़ी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो टोयोटा जल्द ही बाजार में अपनी तीन धाकड़ हाइब्रिड कारें उतारने जा रही है, जो माइलेज की चिंता को खत्म कर देंगी। इनमें सबसे पहले टोयोटा इनोवा हाईक्रास का एक नया और किफायती हाइब्रिड वेरिएंट आएगा। यह पापुलर इनोवा क्रिस्टा की जगह ले सकता है। कंपनी इसमें लागत कम रखने के लिए कुछ फीचर्स हटा सकती है।**

लेकिन इसमें वही दमदार 2.0 लीटर वाला स्ट्रांग हाइब्रिड इंजन मिलेगा, जो करीब 184की ताकत देगा। दूसरी गाड़ी टोयोटा हायराइडर 7-सीटर हो सकती है, जिसे हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। यह हायराइडर और अपकमिंग बजट हाईक्रास के बीच के गैप को भरेगी। इसमें मौजूदा माडल की तरह 1.5 लीटर का स्ट्रांग हाइब्रिड और माइल्ड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है।

तीसरी लान्च टोयोटा हायराइडर फेसलिफ्ट होगी। बढ़ते काम्पिटिशन को देखते हुए, इस अपडेटेड कार में नई फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और फ्रेश लुक वाले अलाय व्हील्स देखने को मिलेंगे, जिससे इसका एक्सटीरियर रिफ्रेश होगा। हालांकि, इसमें 1.5 लीटर का पेट्रोल हाइब्रिड इंजन ही देखने को मिलेगा। ये सभी माडल टोयोटा की हाइब्रिड रणनीति का हिस्सा हैं, जो भारतीय ग्राहकों को बेहतर माइलेज और कम प्रदूषण वाले विकल्प प्रदान करेंगे। हाइब्रिड कारें डीजल जैसा दमदार माइलेज देने के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बेहतर होती हैं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### समझौता...

पति-पत्नी की शादी साल 2000 में हुई थी। 2023 में पति ने तलाक की अर्जी दी। मामला फैमिली कोर्ट से मध्यस्थता में गया, जहां दोनों ने आपसी सहमति से तलाक लेने और सभी विवाद खत्म करने पर सहमति दी थी। समझौते के अनुसार, पति ने पत्नी को डेढ़ करोड़ देने, 14 लाख कार के लिए देने और कुछ ज्वेलरी देने पर सहमति दी थी। पत्नी ने ज्वाइंट बिजनेस अकाउंट से 2.5 करोड़ पति को ट्रांसफर करने की बात मानी थी, लेकिन अंतिम चरण से पहले पत्नी ने तलाक की सहमति वापस ले ली और साथ ही घरेलू हिंसा का केस भी दर्ज कर दिया।

जबकि पति ने 75 लाख और 14 लाख रुपये वापस दे दिए थे। कोर्ट ने माना कि शादी पूरी तरह टूट चुकी है। संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए तलाक दे दिया और घरेलू हिंसा का केस रद्द कर दिया और पति को बाकी तय रकम देने का आदेश दिया।

### मोदी का...

जो शुक्रवार तक भी चल सकती है. लोकसभा से पास होने के बाद राज्यसभा में इन बिलों पर चर्चा होगी।

543 से 850 होंगी सीटें, 33% **महिला आरक्षण**

पहला बिल संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का प्रावधान करता है। इसमें 815 सीटें राज्यों के लिए हैं जबकि 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए है। दूसरा बिल परिसीमन विधेयक, 2026 है जो 2011 की जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की नई सीमाएं तय करेगा। तीसरा विधेयक दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों (जहां विधानसभा है) में महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ करेगा।

ये तीनों विधेयक मिलकर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। महिला आरक्षण कानून तो 2023 में पारित हो चुका था, लेकिन इनको अमल में लाना जनगणना और परिसीमन पर टिकी हुई थी। अब विशेष सत्र में इन बिलों के पारित होने के बाद महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लेगी। अगर 2029 चुनाव में इसी आधार पर चुनाव होता है तो लोकसभा में 270 से ज्यादा महिला सांसद होंगी।

इन बिलों के पास होने के बाद सिर्फ लोकसभा की ही सीटें नहीं बढ़ेंगी, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाई जाएंगी। लोकसभा सदस्यों के बीच बांटे गए ड्राफ़्ट बिल में कहा गया है कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों को बारी-बारी से आवंटित की जाएंगी।

अन्य प्रावधानों के अलावा यह बिल संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन करना चाहता है। इसमें कहा गया है, लोकसभा में 815 से ज़्यादा सदस्य नहीं होंगे, जिन्हें राज्यों के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों से सीधे चुनाव द्वारा चुना जाएगा। और 35 से ज़्यादा सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नहीं होंगे, जिन्हें संसद द्वारा कानून बनाकर तय किए गए तरीके से चुना जाएगा।

अनुच्छेद 81 का खंड 3 जो लोकसभा की संरचना के बारे में बात करता है, यह भी निर्धारित करता है कि प्रत्येक राज्य को आवंटित सीटों का समायोजन राज्य की जनसंख्या के आधार पर होगा और जनगणना के आंकड़ों के अनुसार इसे समायोजित किया जा सकता है। संविधान में 2001 और 2003 के संशोधनों के बाद इन सीटों का पुनर्समायोजन 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 2026 की जनगणना के बाद तक के लिए रोक दिया गया था।

हालांकि प्रस्तावित विधेयक जनसंख्या जनगणना के आंकड़ों को अनलॉक कर देगा, जिससे संसद यह तय कर सकेगी कि सीटों के पुनर्समायोजन का आधार कौन से जनगणना के आंकड़े होंगे. प्रस्तावित विधेयक में अनुच्छेद 82 के इस खंड 3 में एक संशोधन शामिल है जिसमें कहा गया है, इस अनुच्छेद में, जनसंख्या अभिव्यक्ति का अर्थ उस जनगणना के अनुसार निर्धारित जनसंख्या से है जिसे संसद कानून द्वारा निर्धारित कर सकती है, और जिसके प्रासंगिक आंकड़े प्रकाशित हो चुके हैं।

इस बीच एनडीए के सूत्रों ने बताया कि परिसीमन आयोग ही सीटों की अंतिम संख्या तय करेगा और इसलिए बिल में सीटों की कोई सटीक संख्या या कोई तय प्रतिशत (जैसे 50 प्रतिशत) नहीं बताया गया है। 850 का आंकड़ा लोकसभा की कुल सीटों की सिर्फ़ ऊपरी सीमा को दिखाता है।

### विपक्ष के लिए...

बिल पर विपक्षी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा- सरकार अब जो प्रस्ताव ला रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। यह संशोधन, परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों के मनमाने फेरबदल के जरिए सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश है। हम ओबीसी , दलित और आदिवासियों के हिस्से की चोरी नहीं होने देंगे। साथ ही, हम दक्षिणी, उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिमी और छोटे राज्यों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे।

डीएमके के टीआर बालू ने कहा- 2023 में पारित विधेयक को उसकी मूल भावना के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए।

टीवीके के अध्यक्ष विजय ने कहा, परिसीमन केंद्र सरकार की तरफ से उठाया गया एक पक्षपातपूर्ण कदम है। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पारित हो जाता है तो दक्षिणी और उत्तरी राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व में आनुपातिक अंतर काफी बढ़ जाएगा।

आईयूएमएल सांसद ई.टी मोहम्मद बशीर ने कहा- हम परिसीमन बिल का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि यह असल में एक जाल है। वे 2023 में भी आरक्षण दे सकते थे, और हम अब भी उसका समर्थन करते हैं। लेकिन साथ ही, यह संवैधानिक संशोधन एक खतरनाक चीज है। हम विरोध करेंगे।

आरएसपी सांसद एन के. प्रेमचंद्रन ने कहा- परिसीमन बिल और साथ ही संविधान संशोधन बिल के जरिए, वे अनुच्छेद 81 के खंड 3 में संशोधन कर रहे हैं। सरकार पूरे देश को नियंत्रित करना चाहती है। उत्तर भारत में सीटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी, लेकिन दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए, सीटों में कमी आएगी। यह अलोकतांत्रिक है।

### शांति की...

वहीं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने माना कि दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास है, लेकिन बातचीत के जरिए इसे कम किया जा सकता है।

ईरान की कूटनीतिक सक्रियता और सख्त रुख

ईरान ने भी अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ाते हुए फ्रांस समेत कई देशों से संपर्क साधा है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने स्पष्ट कहा कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता, लेकिन किसी भी प्रकार का दबाव या आत्मसमर्पण स्वीकार नहीं करेगा।

भारत में ईरान के राजदूत मो. फतहली ने भी स्थायी समाधान की वकालत की है, साथ ही चेतावनी दी कि यदि दबाव जारी रहा तो तेहरान सभी विकल्पों के लिए तैयार है।

**ट्रंप की 10 शर्तें बनीं सबसे बड़ी बाधा**

सूत्रों के अनुसार, अमेरिका ने ईरान के सामने कई कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन्हें इस वार्ता की सबसे बड़ी बाधा माना जा रहा है। इन प्रमुख शर्तों में शामिल हैं01.ईरान के सभी परमाणु ठिकानों पर अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण की पूरी छूट।

2.440 किलो एनरिच्ड यूरेनियम सौंपना और संवर्धन कार्यक्रम बंद करना।

3.सभी तरह की मिसाइलों के भंडार को सार्वजनिक करना।

4.लंबी दूरी की मिसाइलों (आईसीबीएम) पर नियंत्रण।

5.होर्मुज स्ट्रेट से नियंत्रण हटाना और इसे अंतरराष्ट्रीय मार्ग मानना।

6.हिज्बुल्लाह, हमास और हूती जैसे प्रॉक्सी नेटवर्क समाप्त करना।

7.इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और बासिज मिलिशिया को भंग करना।

8.अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करना।

9.जनवरी नरसंहार के दोषियों को सजा देना।

10.होर्मुज स्ट्रेट को अंतरराष्ट्रीय मार्ग की मान्यता देना।

इन शर्तों को लेकर माना जा रहा है कि ईरान के लिए पूरी तरह सहमत होना आसान नहीं होगा, क्योंकि यह उसकी रणनीतिक ताकत और संप्रभुता से जुड़ा मामला है।

**परमाणु कार्यक्रम पर टकराव**

सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अगले 20 वर्षों तक यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद कर दे और अपना मौजूदा 440 किलो स्टॉक सौंप दे, जबकि ईरान ने इस मांग को खारिज कर दिया है।

तेहरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और ऊर्जा जरूरतों के लिए है। हालांकि, उसने संकेत दिया है कि कुछ वर्षों के लिए संवर्धन रोकने जैसे मध्य मार्ग पर विचार किया जा सकता है।इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का प्रस्ताव भी चर्चा में है, जिसके तहत ईरान अपना एनरिच्ड यूरेनियम रूस को सौंप सकता है, जो उसे प्रोसेस कर परमाणु ईंधन के रूप में वापस देगा।ईरान ने भी अपनी शर्तें सामने रखी हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाना, फ्रीज की गई संपत्तियों की बहाली, हमले न करने की लिखित गारंटी और युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा शामिल है।स्पष्ट है कि यह वार्ता केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें दोनों पक्षों के लिए समझौता आसान नहीं होगा।

### सबरीमाला...

धर्म की आवश्यक प्रथाओं को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। सिंघवी ने उत्तर दिया कि वर्तमान 9-न्यायाधीशों की पीठ को अनिवार्यता सिद्धांत को बीच में आने दिए बिना सभी पहलुओं को सुलझाना होगा।

संदर्भ के लिए, सिंघवी टीडीबी की ओर से भी आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के सिद्धांत का विरोध कर रहे हैं, यह तर्क देते हुए कि संवैधानिक संरक्षण केवल आवश्यक धार्मिक प्रथाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता है, और यह न्यायालयों का काम नहीं है कि वे यह निर्धारित करें कि कोई धार्मिक प्रथा आवश्यक है या नहीं।

**सामाजिक सुधार वाक्यांश पर जस्टिस सुंदरेश का सवाल, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम उदाहरण**

न्यायमूर्ति सुंदरेश ने पूछा कि अनुच्छेद 25(2)(ख) में सामाजिक सुधार वाक्यांश का प्रयोग क्यों किया गया है, जबकि इसके आरंभ में सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या स्वास्थ्य शब्दों का प्रयोग किया गया है। सिंघवी ने उत्तर दिया कि ऐसा कुछ प्रथाओं से निपटने के लिए किया गया होगा, जिन्हें किसी भी वस्तुनिष्ठ मानक के आधार पर मान्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने सुझाव दिया कि व्यक्तिगत कानूनों को विनियमित करने वाले कानूनों को अनुच्छेद 25(2)(ख) के अर्थ में सामाजिक सुधार माना जा सकता है।

न्यायमूर्ति सुंदरेश ने भी इस बात से सहमति जताते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम सामाजिक सुधार का एक उदाहरण हो सकता है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की, सामाजिक कल्याण और सुधार के नाम पर आप धर्म को खोखला नहीं कर सकते। सिंघवी ने कहा कि इसी कारण सरदार सैयदा मामले में पूर्व संचार अधिनियम को रद्द किया गया था।

सिंघवी का तर्क था कि अनुच्छेद 25(2)(ख) को इस प्रकार नहीं पढ़ा जाना चाहिए जिससे अनुच्छेद 25(1) के तहत प्रदत्त धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन हो। उनके अनुसार, अनुच्छेद 25(2) धर्म की स्वतंत्रता पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जैसे कि अनुच्छेद 25(1) में उल्लिखित सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के आधार।

### पवन खेड़ा ...

जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद माना कि कानूनी प्रक्रिया के अनुसार यह मामला असम की अदालत के अधिकार क्षेत्र में आता है। अब पवन खेड़ा के पास राहत के लिए असम की अदालत में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

यह मामला तब शुरू हुआ था जब पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद उनके खिलाफ असम में एफआईआर दर्ज की गई थी। अब यह मामला पुनः उसी राज्य में केंद्रित हो गया है।आने वाले तीन सप्ताह पवन खेड़ा के लिए महत्वपूर्ण रहने वाले हैं, क्योंकि उन्हें एक ओर सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना होगा, वहीं दूसरी ओर असम की अदालत में भी अग्रिम जमानत के लिए प्रयास करना पड़ेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# सुदामा चरित के साथ श्रीमद भागवत कथा का भावपूर्ण समापन

## भक्ति, प्रेम और समर्पण के संदेश के साथ सात दिवसीय कथा संपन्न

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में बाहेती भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का रविवार को भव्य एवं भावपूर्ण समापन हुआ। कथा के सातवें दिन विदुषी कथा वाचिका सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने अपने ओजस्वी एवं मधुर प्रवचन से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया।

**सुदामा चरित ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर**

समापन दिवस पर सुदामा चरित का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। कथा वाचिका ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता केवल सांसारिक संबंध नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के दिव्य मिलन का प्रतीक है। उन्होंने सुदामा जी के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि अत्यंत गरीबी के बावजूद वे संतोष और श्रद्धा के प्रतीक थे। पत्नी सुशीला के आग्रह पर वे द्वारका पहुंचे, जहां उनके पास भेंट के रूप में केवल मुट्ठी भर चावल ही थे।

कथा के दौरान उस भावुक प्रसंग का भी वर्णन हुआ जब सुदामा का नाम सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण अपने सिंहासन से उठकर नंगे पांव द्वार तक उन्हें लेने दौड़ पड़े। उन्होंने सुदामा के चरणों को अपने आंसुओं से धोया और बिना मांगे ही उन्हें समस्त सुख-संपदा प्रदान की। यह प्रसंग निस्वार्थ भक्ति और सच्चे प्रेम की सर्वोच्च मिसाल है।

**भजनों और जयघोष से भक्तिमय बना वातावरण**

पूरे कथा स्थल पर भजनों की मधुर ध्वनि और 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कथा वाचिका ने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि राजा परीक्षित की तरह मोक्ष की प्राप्ति के लिए श्रीमद भागवत का श्रवण और उसका जीवन में अनुसरण अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के समापन पर समिति के अध्यक्ष श्री निवास सोमानी एवं प्रधान संयोजक श्री महेश अग्रवाल ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। अंत में भव्य आरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यह आयोजन हैदराबाद में धार्मिक एकता और भक्ति का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन को गहराई से भाव-विभोर कर दिया।

भागवत कथा को सफल बनाने में संजय राठी, रमेश मोदानी, अशोक कुमार हीरावत, उर्मिला मोदानी, सराज देवी, शांता काबरा, मनीष सोमानी, श्रीमती आशा देवी सोमानी का विशेष योगदान रहा।

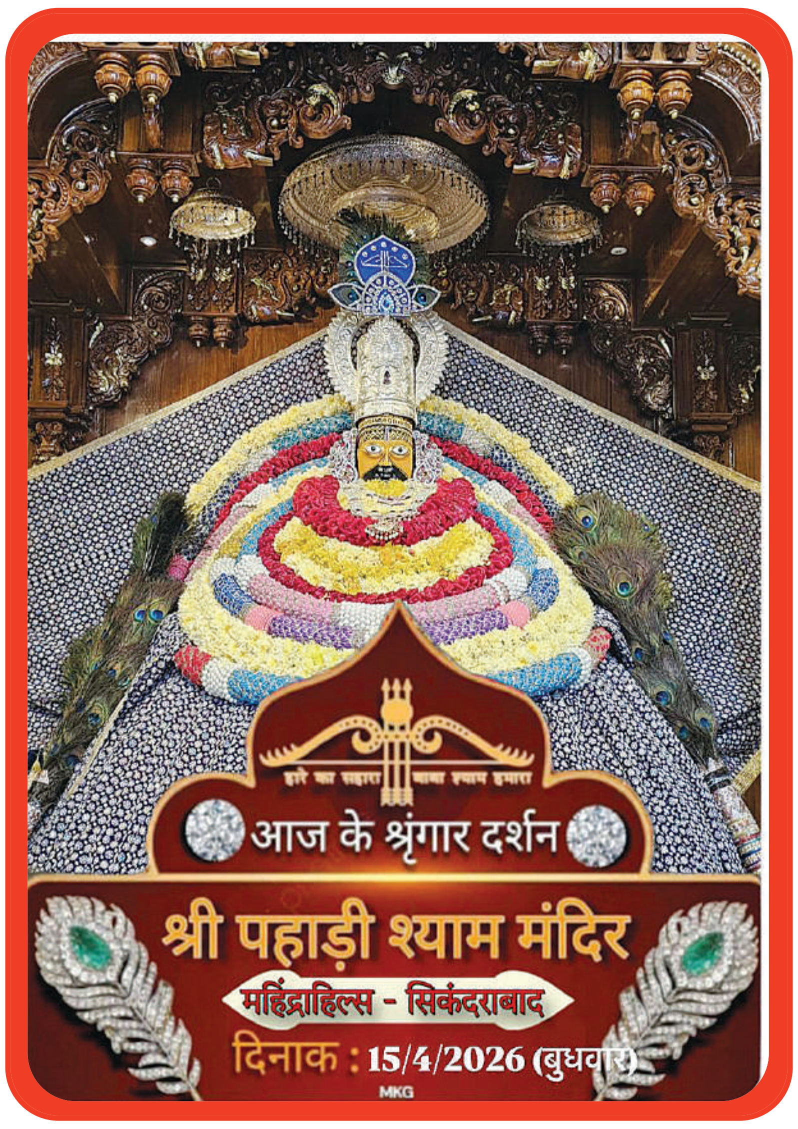

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए माँ बनभौरी परिवार की ओर से सुशील मित्तल एवं रमेश मित्तल।

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, पारस यादव, विष्णुदास, आकाश यादव, शेखर अन्ना एवं बब्बू।

# हर वर्ग को साथ लेकर सेवा कर रहा राधे-राधे ग्रुप : सुनीता अग्रवाल

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में राजधानी क्षेत्र नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही सेवा भाव और श्रद्धा के साथ किया गया। इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों, गरीबों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह से भक्ति, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत नजर आया। प्रत्येक सदस्य ने पूरे मन से सेवा करते हुए यह संदेश दिया कि सच्ची खुशी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में ही है। अन्नदान के इस कार्य में लोगों की आंखों में संतोष और कृतज्ञता का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जो इस सेवा की सार्थकता को दर्शाता है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल सेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि जब हम बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में ईश्वर की भक्ति होती है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करते हैं।

उन्होंने सभी सदस्यों के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह कार्य कर रहा है, जहां हर सदस्य निस्वार्थ भाव से समाज के लिए अपना योगदान दे रहा है। ऐसे प्रयास निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन इलाकुर्थी, महेश अग्रवाल, मनीष चिंडालिया एवं जय प्रकाश सारडा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई और इसे सफल बनाया।

## महिला समिति का बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 26 अप्रैल को

# अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बेगमपेट स्थित व्हाइट हाउस में संपन्न हुई। बैठक में महिला समिति द्वारा आयोजित किए जा रहे बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा कर अंतिम रूप दिया गया।

महिला समिति की संयोजक रिंकू गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट रविवार, 26 अप्रैल को बेगमपेट स्थित व्हाइट हाउस बिल्डिंग के हॉटफूट बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड (10वीं मंजिल, ब्लॉक-3) पर सायं 4:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेंगी, जिनका चयन पूर्ण हो चुका है।

**टीम संरचना और विशेष पुरस्कार की घोषणा**

महिला समिति की अध्यक्ष अलका मिंडा ने बताया कि प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी होंगे। प्रतियोगिता में एक विशेष पुरस्कार की भी घोषणा की गई है, जिसमें यदि किसी टीम में एक ही परिवार की सास, बहू और बेटी शामिल होंगी, तो उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आयु वर्ग का भी निर्धारण किया गया हैप्रत्येक टीम में 16 से 25 वर्ष के दो खिलाड़ी, 26 से 40 वर्ष के दो खिलाड़ी और 40 वर्ष से अधिक आयु के दो खिलाड़ी अनिवार्य रूप से शामिल होंगे। सभी प्रतिभागियों को आधार कार्ड प्रस्तुत करना होगा। यह प्रतियोगिता केवल अग्रवाल समाज के सदस्यों के लिए आयोजित की जा रही है।

**सभी प्रतिभागियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं**

आयोजन के दौरान सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों के लिए अल्पाहार एवं रात्रि भोजन की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

संस्था के अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल के प्रायोजक मनोज अग्रवाल (व्हाइट हाउस) हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमारी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल एवं एम.सी. अग्रवाल ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है, जिनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को आयोजन की सफलता हेतु विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपीं।

सभा में राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश जैन, उपाध्यक्ष शिव कुमार भालवाले, महिला अध्यक्ष अलका मिंडा, महिला मंत्री शीनू बंसल, प्रधान संयोजक रिंकू गर्ग, मनीषा अग्रवाल, ऋतु जैन, उमेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

# यज्ञ से आरंभ हुआ आधारशिला समारोह

## वेदामृतम् वैदिक वानप्रस्थ एवं संन्यास आश्रम गजवेल में भव्य आयोजन

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
महर्षि दयानंद मार्ग, ग्राम पीडिचेड़, मंडल गजवेल, जिला सिद्दीपेट (तेलंगाना) में वेदामृतम् वैदिक वानप्रस्थ एवं संन्यास आश्रम की आधारशिला का शुभारंभ प्रातः वैदिक यज्ञ के साथ हुआ। इस भव्य समारोह में यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी चिदानन्द सरस्वती (संस्थापक प्राचार्य, निगम नीडम वेद गुरुकुलम्) ने यजमानों के साथ विधिवत यज्ञ संपन्न कराया तथा आधारशिला हेतु विशेष मंत्रों की आहुतियां प्रदान की गईं। आधारशिला रखने वाले यज्ञ के यजमान एवं विशेष आमंत्रित सदस्य रहे।

यज्ञ के समापन के पश्चात आधारशिला रखी गई और तत्पश्चात स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के करकमलों से ध्वजारोहण किया गया। पूरे कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक वातावरण का विशेष प्रभाव देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं एवं आर्यजनों को संबोधित करते हुए स्वामी जी ने भावी नव-निर्माणाधीन आश्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि वरिष्ठ आर्यजन वैदिक आश्रम व्यवस्था के अनुसार वानप्रस्थ और संन्यास ग्रहण कर इन आश्रमों की शोभा बढ़ाएं तथा यहां संचालित होने वाले शोध कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

कार्यक्रम में नगरद्वय सहित विभिन्न जिलों, प्रदेशों एवं विदेशों से आए श्रद्धालुओं और आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया।

विशेष अतिथियों में बालब्रह्मम्, डी. सत्यनारायण, आचार्य नलिनी, जक्कम राजार्य, श्रीमती नायिनी सत्यम्मा, राजेश्वर गौड, भरत मुनि, माशेट्टि श्रीनिवास सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इसके अलावा स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने विश्व कल्याण और शांति की कामना की।

# गौ माता और मानव सेवा का सौभाग्य : राजकुमारी अग्रवाल

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, श्रद्धा और मानवता का अनुपम उदाहरण बनकर सामने आया।

इस पावन अवसर पर समाजसेवी राजकुमारी अग्रवाल के नेतृत्व एवं प्रेरणा से सेवा कार्यों को नई ऊर्जा और विस्तार मिला।

कार्यक्रम के दौरान राजकुमारी अग्रवाल ने भावुक शब्दों में कहा कि गौ माता की सेवा और जरूरतमंदों की सेवा, दोनों ही हमारे सनातन संस्कारों की आत्मा हैं। हमें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि हम एक ही स्थान पर गौ सेवा और मानव सेवा का पुण्य अर्जित कर पा रहे हैं। यह केवल सेवा नहीं, बल्कि ईश्वर की कृपा और आशीर्वाद का प्रत्यक्ष रूप है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में स्वार्थ की भावना बढ़ती जा रही है, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर निस्वार्थ भाव से किया जा रहा अन्नदान और सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों के लिए सहारा बन रहा है, बल्कि समाज के अन्य लोगों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। जब हम किसी भूखे को भोजन कराते हैं या गौ माता की सेवा करते हैं, तब जो आत्मिक संतोष मिलता है, वह किसी भी भौतिक सुख से कहीं अधिक होता है, उन्होंने कहा।

राजकुमारी अग्रवाल ने यह भी उल्लेख किया कि सेवा का यह कार्य केवल एक दिन या अवसर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सतत संकल्प है, जिसे राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य पूरे समर्पण और श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में भागीदार बनें और अपने जीवन में सेवा को एक महत्वपूर्ण स्थान दें।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने भी सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे मनोयोग से अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम स्थल पर भक्तिभाव, सहयोग और समर्पण का वातावरण बना रहा, जहां हर कोई सेवा के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दे रहा था।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गी, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू गुप्ता एवं रेनू शर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## अधिकारियों को जमीन के मामलों पर तेज कार्रवाई करने के निर्देश

कलवा श्रीरामपुर, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेड्डापल्ली डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने अधिकारियों को जमीन से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। बुधवार को कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने कलवा श्रीरामपुर मंडल के वेन्नमपल्ली गांव में कई खेती की ज़मीनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर अधिकारियों को भुभारती पोर्टल पर ऑनलाइन पेंडिंग आवेदनों को जल्द पूरा कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस मौके पर तहसीलदार रामुडू, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे।

## पेद्दापल्ली में स्पेशल जॉब ड्राइव कल

पेद्दापल्ली, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने बुधवार को बताया कि बेरोज़गार युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से 17 अप्रैल 2026 को पेड्डापल्ली डिस्ट्रिक्ट मुख्यालय में स्पेशल जॉब ड्राइव आयोजित की जाएगी। कलेक्टर के अनुसार यह ड्राइव टास्क रीजनल सेंटर की देखरेख में होगी, जिसमें जानी-मानी कंपनियां भाग लेकर कैंडिडेट्स का चयन करेंगी। 17 अप्रैल (शुक्रवार) सुबह 10:00 बजे से शुरू होने वाली इस ड्राइव के लिए डिप्लोमा, आईटीआई और एमबीए कर चुके उम्मीदवार पेद्दापल्ली बस स्टैंड के पास स्थित टास्क रीजनल सेंटर में एलिजिबल होंगे। एजे सॉल्यूशन, वर्कस ई.वी. मोटर्स और मेगा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि इंटरव्यू लेंगे। इच्छुक कैंडिडेट्स लेटेस्ट रिज्यूमे के दो सेट, फॉर्मल ड्रेस में, और निर्धारित समय से पहले वेन्यू पर पहुंचें।

### स्नैप्स इंडिया करेगा फीफा वर्ल्ड कप फोटो प्रदर्शनी के जरिए

# यूनिसेफ के लिए फंड जुटाने का आयोजन

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** स्पोर्ट्स विलेज, डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब बरकस के साथ मिलकर, इस प्रतिष्ठित धन संचयन पहल में सबसे आगे खड़ा है। यह आयोजन खेल की शक्ति के माध्यम से सार्थक सामाजिक प्रभाव डालने की उनकी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराता है। राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त एक प्रतिष्ठित मल्टी-स्पोर्ट्स प्रमोटर के रूप में, स्पोर्ट्स विलेज ने लगातार ऐसी पहलों का समर्थन किया है जो खेल के मैदान से परे जाकर सामुदायिक विकास, युवा सशक्तिकरण और वैश्विक पहुंच को बढ़ावा देती हैं।

उल्लेखनीय है कि स्पोर्ट्स विलेज ने इससे पहले विकलांगता शिविर भी आयोजित किए हैं, जो खेल और सामुदायिक सहायता के माध्यम से सभी क्षमताओं वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाने के प्रति इसके समावेशी दृष्टिकोण और समर्पण को दर्शाता है। यह नई पहल एक ऐसे संगठन के रूप में इसकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है जो समान अवसर पैदा करने और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस महत्वपूर्ण प्रयास का नेतृत्व स्पोर्ट्स विलेज की एक समर्पित टीम कर रही है। सीईओ मोहम्मद शम्सुद्दीन, मुख्य परिचालन अधिकारी ताहा बेगम और सनाया होम्स के इलियास खान के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस टीम ने महामहिम गैरेथ व्यान ओवेन से मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इन दिग्गजों की रणनीतिक दृष्टि और नेतृत्व इस पहल को आगे बढ़ाने में सहायक रहे हैं। उनके सामूहिक प्रयासों ने प्रमुख हितधारकों के साथ मजबूत समन्वय और आउटरीच सुनिश्चित की है।

इस पहल को सनाया होम्स, हैदराबाद के उदार समर्थन से और भी मजबूती मिली है। सनाया होम्स के चेयरमैन और एमडी इलियास खान के नेतृत्व में, मुख्य दाता के रूप में उनका योगदान सामाजिक जिम्मेदारी और वैश्विक कारणों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

यह सहयोगात्मक प्रयास यूनिसेफ इंडिया के शिक्षा को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने और टिकाऊ समुदायों के निर्माण के मिशन का समर्थन करता है, जिससे समाज पर एक स्थायी और सार्थक प्रभाव पड़ता है।

**केबीआर पार्क में इच्छापुरी गणेशजी की पूजा संपन्न हुई। पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बालदवा, सुरेश कुमार अग्रवाल, अशोक लखोटिया, दीपक कुमार सराईवाला, प्रमोद कुमार सराईवाला, अशोक कुमार सराईवाला, सुभाष कुमार, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए (नाम अधूरा) सम्मिलित हुए।**

# मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद पर्ल महिला शाखा का शपथ ग्रहण संपन्न

## नई कार्यकारिणी ने ली सेवा और समर्पण की शपथ, महिला सशक्तिकरण पर जोर

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद पर्ल महिला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास के साथ सिकंदराबाद स्थित अन्नपूर्णा होटल में आयोजित किया गया।

शाखा मंत्री उर्मिला ढल्ला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नवनिर्वाचित पर्ल शाखा अध्यक्ष युवा शशीकला नाहर की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, तत्पश्चात सभी अतिथियों का शाखा सदस्यों द्वारा स्मृति चिन्ह, शाल व माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के प्रांतीय अध्यक्ष मनीष नाहर, सम्मानित अतिथि के रूप में राष्ट्रीय परियोजना 'हेल्थ साथी' के चेयरमैन ललित जैन, अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संगठन विस्तार फोरम के चेयरमैन दिनेश जैन, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की प्रथम महिला एवं शाखा की पूर्व अध्यक्ष रक्षा एस. जैन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राजेश बालर, सिकंदराबाद शाखा के अध्यक्ष पंकज राठौड़, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र पोखरणा तथा पर्ल शाखा की संरक्षक मंजू विनायकिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

**नई कार्यकारिणी ने ली शपथ**

चेयरमैन दिनेश जैन ने सत्र 2026-27 हेतु निर्वाचित अध्यक्ष व टीम को शपथ दिलाई। समारोह में श्रीमती शशि नाहर ने अध्यक्ष पद, श्रीमती उर्मिला ढल्ला ने मंत्री पद तथा श्रीमती रानू दैय्या ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली।

अध्यक्ष शशि नाहर ने अपनी कार्यकारिणी का गठन करते हुए उपाध्यक्ष के रूप में सुनीता डूंगरवाल, सहमंत्री

खुशबू जैन, रक्तदान संयोजिका रिद्धि बोहरा, जन सेवा संयोजिका मुमल सीरवी, नारी चेतना संयोजिका अंकिता दुधेरिया, अंगदान-नेत्रदान संयोजिका पूनम तिवारी, जीवदया संयोजिका इंदू भाटी, वृक्षारोपण संयोजिका सोनम सुराणा तथा युवा विकास संयोजक अनीता जैन का चयन किया।

साथ ही विभिन्न प्रकल्पों के चेयरमेन के रूप में वरिष्ठ सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसमें जीवदया हेतु कविता मांडण, जनसेवा हेतु सीता गांधी, रक्तदान हेतु पूनम बोहरा, नारी सशक्तिकरण हेतु मोनिका सोनी, अंगदान हेतु हेमा गिलड़ा, वृक्षारोपण हेतु संतोष गुजरानी तथा युवा विकास हेतु शिल्पा जोशी व सुनीता मुदड़ा को प्रभार दिया गया।

सभी पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने एवं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की।

मुख्य अतिथि मनीष नाहर ने प्रांतीय व राष्ट्रीय प्रकल्पों के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। ललित जैन ने नारी चेतना एवं संस्कार आधारित कार्यों पर जोर दिया।

वहीं दिनेश जैन ने संगठन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जिससे जुड़कर सदस्यों को व्यापक स्तर पर सेवाओं का लाभ मिलता है। उन्होंने संगठन में सेवा भाव, समर्पण और सकारात्मकता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

प्रथम महिला रक्षा एस. जैन ने शाखा द्वारा पूर्व में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी देते हुए नई टीम को आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं और सभी को साथ लेकर शाखा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन कविता मांडण ने किया, जबकि समारोह का समापन शाखा की कोषाध्यक्ष रानू दैय्या के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

# छात्राओं का भावुक संदेश: पापा... हेलमेट पहनकर ही घर आइए

**मंचेरियाल, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कोटपल्ली स्थित घत्रह्रत विद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत छात्राओं ने अपने पिता को भावुक पोस्टकार्ड लिखकर हेलमेट पहनने और सुरक्षित घर लौटने की अपील की।

तेलंगाना सरकार के अराइव-अलाइव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने लिखाप्रिय पापा, हमारी खातिर हमेशा हेलमेट पहनिए और सुरक्षित घर आइए।

एसआई राजशेखर ने कहा कि बच्चों की बातें सीधे माता-पिता के दिल तक असर करती हैं। उन्होंने दोपहिया चालकों से हेलमेट पहनने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और तेज़ रफ्तार से बचने की अपील की।

कार्यक्रम में पुलिस स्टाफ, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

# चेन्नूर में नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई

**मंचेरियाल, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** चेन्नूर पुलिस ने गांजा सेवन करने वाले दो युवकों को पकड़कर मेडिकल जांच के बाद कोर्ट के आदेश पर मंचेरियाल स्थित डी-एडिक्शन सेंटर भेजा। इनमें एक इंटरमीडिएट छात्र और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है।

पुलिस जांच में सामने आया कि वे महाराष्ट्र के चंद्रपुर और बल्लारशाह क्षेत्र से गांजा लाकर सेवन कर रहे थे। विशेष टेस्ट किट से रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और किसी भी युवक को ऐसी लत में पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने और संदिग्ध जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।

# तेलंगाना ने राजमार्ग दुर्घटनाओं में मृत्यु दर कम करने के लिए प्रोजेक्ट संजीवनी का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 15 अप्रैल : तेलंगाना सरकार ने बुधवार को 'प्रोजेक्ट संजीवनी' का शुभारंभ किया, जो राजमार्गों के लिए भारत की पहली एकीकृत पोस्ट-क्रैश ट्रॉमा रिस्पांस सिस्टम (दुर्घटना पश्चात आघात प्रतिक्रिया प्रणाली) है। इसका उद्देश्य त्वरित और समन्वित आपातकालीन देखभाल के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना है।

इस पहल को शुरुआती तौर पर हैदराबाद और आदिलाबाद के बीच छक-44 के 251 किलोमीटर लंबे खंड पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाएगा, जो देश के उच्च जोखिम वाले सड़क दुर्घटना गलियारों में से एक है। इसे राज्य की 99 दिवसीय कार्य योजना के तहत अराइव अलाइव सड़क सुरक्षा सप्ताह के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है।

**प्रमुख संस्थाओं का सहयोग और तकनीकी दृष्टिकोण**

इस परियोजना को वर्टिस फाउंडेशन के सहयोग से, तेलंगाना सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर 'सेवलाइफ फाउंडेशन' द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। तेलंगाना राज्य के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और तेलंगाना परिवहन आयुक्त के. इलामभारती सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लॉन्च में शिरकत की। उन्होंने दुर्घटनाओं के बाद जान बचाने के लिए तकनीक-संचालित और समन्वित प्रतिक्रिया प्रणाली की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

प्रोजेक्ट संजीवनी वैश्विक चेन ऑफ सर्वाइवल ढांचे पर आधारित एक संरचित बहु-एजेंसी प्रोटोकॉल पेश करता है। यह त्वरित प्रतिक्रिया, घटनास्थल पर स्थिति को स्थिर करने, समन्वित चिकित्सा देखभाल और महत्वपूर्ण 'गोल्डन ऑवर' (स्वर्णिम घंटे) के भीतर अस्पतालों में समय पर स्थानांतरण सुनिश्चित करता है।

**10 मिनट का रिस्पांस टाइम और एकीकृत कमांड ढांचा**

इस प्रणाली के तहत, टोल प्लाजा पर तैनात क्विक रिस्पांस टीमों के लिए 10 मिनट के भीतर दुर्घटना स्थलों पर पहुँचना अनिवार्य किया गया है। एक एकीकृत कमांड संरचना बनाई जाएगी जो पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य और परिवहन विभागों को आपस में जोड़ेगी। इसके अलावा, एम्बुलेंस मानकीकृत ट्राइएज प्रोटोकॉल का पालन करेंगी और अस्पताल पहुँचने से पहले ही वहाँ सूचना प्रदान कर देंगी।

इस पहल में रियल-टाइम क्रैश डिटेक्शन सिस्टम (दुर्घटना का तुरंत पता लगाने वाली प्रणाली) की तैनाती और आपातकालीन उत्तरदाताओं के लिए बेसिक और एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट जैसे विशेष प्रशिक्षण भी शामिल हैं।

**राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरने की तैयारी**

अनुमानों के अनुसार, भारत में सालाना 1.7 लाख से अधिक सड़क मौतें दर्ज की जाती हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा दुर्घटना के बाद देखभाल में देरी के कारण होता है। अध्ययन बताते हैं कि समय पर हस्तक्षेप से कम से कम 30% ऐसी मौतों को रोका जा सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य प्रतिक्रिया समय को महत्वपूर्ण रूप से कम करना, जीवित रहने की दर में सुधार करना और राजमार्ग सुरक्षा के लिए एक बड़े स्तर पर लागू होने वाले राष्ट्रीय मॉडल के रूप में कार्य करना है। इस कदम के साथ ही तेलंगाना इस तरह के एकीकृत कॉरिडोर-स्तरीय ट्रॉमा रिस्पांस सिस्टम को पायलट करने वाला पहला राज्य बन गया है, जिसे भविष्य में अन्य राजमार्गों तक विस्तारित करने की योजना है।

## तेदेपा में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

# नारा लोकेश बने पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

**विजयवाड़ा, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने बुधवार को एक बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के पुत्र और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया।

इसके अलावा विधायक पल्ला श्रीनिवास को तेदेता का आंध्रप्रदेश का अध्यक्ष और सांसद डॉ. बायरेड्डी शबरी

को अपनी पहली महिला राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। उनके साथ सांसद राम मोहन नायडू और राजेश किलारू भी राष्ट्रीय महासचिव के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। नया पोलित ब्यूरो भी बनाया गया है, जिसमें 29 सदस्य, राष्ट्रीय समिति में 31 सदस्य और राज्य समिति में 185 सदस्य शामिल किये गये हैं।

राज्य समिति के 185 सदस्यों में से 122 सदस्य कमजोर वर्गों से हैं, जिनमें पिछड़ा वर्ग (77), अनुसूचित जाति (25), अनुसूचित जनजाति (7) और अल्पसंख्यक समुदायों के 13 सदस्य शामिल हैं। राज्य समिति में 50 महिलाओं को स्थान दिया गया है, जो पार्टी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह नयी संरचना 2029 के चुनावों और निर्वाचन क्षेत्रों के संभावित पुनर्गठन जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है।

# आंध्र प्रदेश : घर में जिलेटिन फटने से भीषण धमाका, पांच लोगों की मौत और 21 घायल

**अनंतपुर 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आंध्र प्रदेश में श्री सत्य साईं जिले के कुम्मरावंदलापल्ली गांव में बुधवार को एक घर में रखीं जिलेटिन की छड़ों में हुए जोरदार विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार एक मजदूर खनन गतिविधियों के लिए जिलेटिन की छड़ों की आपूर्ति करता था और उसने भारी मात्रा में ये विस्फोटक अपने घर में छिपाकर रखे थे। धमाका इतना शक्तिशाली था कि वह घर पूरी तरह जमींदोज हो गया और आसपास के पांच अन्य मकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। घर में रखे गैस सिलेंडरों के फटने से आग और विस्फोट की तीव्रता और भी बढ़ गई।

उन्होंने बताया कि चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मोहरुन्निसा (40), पी. विश्वनाथ रेड्डी (45), मधुसूदन (36), असलम पाशा (33) और फखरुद्दीन (37) के रूप में हुई है। मलबे से शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल हुए 21 लोगों में से 6 की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें अनंतपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता देने का आश्वासन दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने भी इस हादसे पर दुख जताते हुए सरकार से पीड़ितों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक रिहायशी इलाके में कैसे जमा किए गए थे।

## तेदेपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में सांसद साना सतीश बाबू की नियुक्ति

# कैडर से लीडर तक का सफर तेदेपा में ही संभव : साना सतीश बाबू

**अमरावती, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायुडु ने राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

इस अवसर पर साना सतीश बाबू ने पार्टी अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायडू के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

आज तेलुगु देशम पार्टी द्वारा पोलितब्यूरो, राष्ट्रीय एवं राज्य समितियों की घोषणा की गई, जिसमें कुल 18 सदस्यों की राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की टीम में साना सतीश बाबू को स्थान दिया गया है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि कैडर से लीडर बनने का अवसर केवल तेलुगु देशम पार्टी में ही संभव है। मेहनत करने वाले हर कार्यकर्ता को पार्टी अवश्य पहचान देती है।

उन्होंने अपने ऊपर विश्वास जताकर यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दायित्व का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे और हमेशा जनता तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।

# तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक गर्म हवाएं चलने के आसार: मौसम विभाग

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में अगले पांच दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर गर्म हवाएं चलने के के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को जारी अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में राज्य के निवासियों को बढ़ते तापमान के प्रति सतर्क किया है।

विभाग के अनुसार, आने वाले तीन दिनों में राज्य भर में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसके साथ ही, अगले सात दिनों तक पूरे तेलंगाना में मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गयी है, जिससे कुछ हिस्सों में आंशिक राहत मिली थी।इसी अवधि में हालांकि आदिलाबाद में सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया, जहां पारा 43.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शुष्क मौसम और बढ़ते तापमान के कारण गर्म हवाओं का प्रभाव बढ़ सकता है, इसलिए लोगों को दोपहर के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है। केंद्र आगामी दिनों में मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है, ताकि समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा सकें।

# शिव पंचायत मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की थंब पूजन से भव्य शुरुआत, 26 से 29 अप्रैल तक होंगे आयोजन

**बीकानेर, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री नवलेश्वर सिद्ध पीठ मठ के तत्वावधान में गेमना पीर के पास, बछासर बाईपास रोड़ स्थित श्रीनवलेश्वर मठ शंकरेश्वर महादेव मंदिर गौशाला आश्रम में 26 से 29 अप्रैल तक चार दिवसीय शिव पंचायत मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत पंच कुण्डी यज्ञ स्थल के भूमि पूजन एवं थम्ब पूजन के साथ की गई। यह समस्त आयोजन श्री श्री 1008 श्री शिवसत्यनाथजी महाराज के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हो रहे है। बुधवार के इस कार्यक्रम पर विद्वान यज्ञाचार्य ज्यो. पं. जुगल किशोर ओझा (पुजारी बाबा) एवं ज्यो. पं. अशोक ओझा (राजा) के आचार्यत्व में पंडित अर्जुन ओझा, विमल ओझा (राधे), रामजी पुरोहित, नारायण ओझा, योगेश ओझा, शंकरलाल ओझा एवं लोकेश विप्रो सहित अन्य विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया। भूमि, थंब पूजन के मुख्य यजमान सवाई सिंह राठौड़ थे। आज के इस कार्यक्रम मठ से जुड़े दिनेश सांखला, मनोहर सिंह, मेगराज अन्य कई भक्त उपस्थित रहे। इस दौरान पूज्य श्रीशिवसत्यनाथजी महाराज ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में समाज को संदेश देते हुए कहा कि नशा जीवन के विनाश का कारण है, इससे दूर रहना चाहिए तथा नील वस्त्र का त्याग करना चाहिए। उनके प्रेरणादायक प्रवचन से श्रद्धालुओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और कार्यक्रम स्थल पर आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है।

## सेवा ही धर्म: सुभाष अग्रवाल के नेतृत्व में केबीआर पार्क पर अन्नदान

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सेवा और समर्पण की भावना को साकार करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया, जिससे सेवा का यह कार्य मानवता की सजीव मिसाल बन गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सुभाष अग्रवाल के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर सेवा कार्य को सफल बनाया। उनके मार्गदर्शन में यह आयोजन केवल अन्नदान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, अपनत्व और सहयोग की भावना का भी सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित समाजसेवियों ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और इसी विचार को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाज के कमजोर वर्गों के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रुप का उद्देश्य हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाना और समाज में सेवा की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल के साथ तेज प्रकाश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, उमाकांत गुप्ता, हरीश तोल-ाराम हिंदूजा सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का कार्य किया।

# कामारेड्डी में जॉब फेयर सफल रहा

**बांसवाड़ा, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कामारेड्डी ज़िले के बांसवाड़ा शहर स्थित सरकारी जूनियर कॉलेज में आयोजित जॉब फेयर सफल रहा। सब-कलेक्टर किरणमयी ने कहा कि तेलंगाना इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एसोसिएशन नॉर्थ ज़ोन सेक्रेटरी चेल्लापुरम श्रीकांत की बेरोज़गारों के लिए नौकरियां उपलब्ध कराने की कोशिशें सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि स्किल्स होने पर ही युवा नौकरी में आगे बढ़ सकते हैं।

डिस्ट्रिक्ट इंटरमीडिएट नोडल ऑफिसर शेख सलाम ने बताया कि इस जॉब फेयर में 41 बेरोज़गारों को नौकरी के अवसर मिले। दसवीं, इंटरमीडिएट, डिग्री, एमबीए, बी.टेक, बी.एससी एग्रीकल्चर, होटल मैनेजमेंट और एमएलटी पूरा करने वाले युवाओं को श्री अक्षय एचआर सर्विसेज़ हैदराबाद, एमएसएन फार्मा कंपनी और डॉ. रेड्डीज़ फाउंडेशन के माध्यम से रोजगार मिला।

आईटी कंपनियों (एआई/एमएल) सेक्टर में 7, एमएसएन फार्मा में 8, विजया बायो एग्रीकल्चर में 22, बैंकिंग सेक्टर में 4 तथा अन्य विभागों में युवाओं का चयन हुआ। 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के महिला और पुरुष उम्मीदवारों को नौकरियां मिलीं।कार्यक्रम में गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज डेवलपमेंट कमेटी के सेक्रेटरी मोहम्मद एजास, मेंबर पिटला श्रीधर, दसारी श्रीनिवास, मुदिरेड्डी विट्ठल रेड्डी, अर्बन कांग्रेस लीडर यंद. दाऊद, विभिन्न कंपनियों के एचआर मैनेजर ब्रह्मानंद रेड्डी, शर्मा, कमलाकर, नरेश सहित कई लोग उपस्थित रहे।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, लक्ष्मण सिंह पंवार, दिनेश सांकूला लड्डू, ललित जैन ।

उप्पल स्टेडियम में हैदराबाद-आर.आर के बीच हुए मैच में सुपर सिक्सेस ऑफ मैच का अवार्ड क्रिकेटर ईशान किशन को प्रदान करते हुए चैनल साझेदार सैलेश सोनी।

## सिखवाल समाज के गौरव डॉ. हरिकिशन नागला पंचतत्व में विलीन

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद के गौरव डॉ. श्री हरिकिशन जी नागला का 85 वर्ष की आयु में 14 अप्रैल 2026 को हृदयगति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से समाज में गहरा शोक व्याप्त है।

बुधवार को उनकी अंतिम यात्रा में स्वजातीय बंधुओं के साथ बड़ी संख्या में शुभचिंतक भी शामिल हुए। इस अवसर पर सिखवाल प्रगति समाज के रामदेव नागला ने बताया कि पूरी अंतिम यात्रा में जनमानस शोकाकुल था।

दिवंगत नागला, जो विनम्र, हंसमुख और हर किसी के सुख-दुख में सहभागी रहते थे, को सिखवाल प्रगति समाज, सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय, श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर, राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद तथा राजस्थानी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने पुष्पमालाएं अर्पित कर और शाल ओढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

इमलीबन श्मशान घाट पर उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया, जहां सैकड़ों स्वजातीय बंधु और शुभचिंतक नम आंखों से उन्हें विदाई देने पहुंचे।

# आईआईसीटी में हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की शिष्टाचार भेंट

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (खखउढ) में आज हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने राजभाषा अधिकारी सौरभ कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दक्षिण भारत में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और उसके प्रभावी उपयोग को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास बेहद आवश्यक हैं। प्रतिनिधि मंडल ने मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से आमजन तक भाषा को सहज और सरल रूप में पहुँचाया जा सकता है।

राजभाषा अधिकारी सौरभ कुमार ने संस्थान में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में भी हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस अवसर पर हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मासिक पत्रिका के मुख्य संपादक श्री महेश अग्रवाल ने राजभाषा अधिकारी सौरभ कुमार से आग्रह किया कि भविष्य में संयुक्त रूप से कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे दक्षिण भारत में हिंदी के प्रति रुचि और उपयोगिता को और अधिक बढ़ाया जा सके। शिष्टाचार भेंट का समापन आपसी सहयोग और समन्वय को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में अनुवादक आदर्श कुमार, आईआईसीटी वैज्ञानिक मुरलीधरन आदि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा राजभाषा अधिकारी सौरभ कुमार को सम्मानित किया गया एवं मासिक पत्रिका के अंक प्रदान किए गए।

*हरिमोहन शर्राफ और उनकी धर्मपत्नी को उनके विवाह की 25वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए बिहार अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विकास केशान।*

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ DAILY

# उपमुख्यमंत्री भट्टी ने पुलिगंडाला इको-पर्यटन परियोजना का किया उद्घाटन

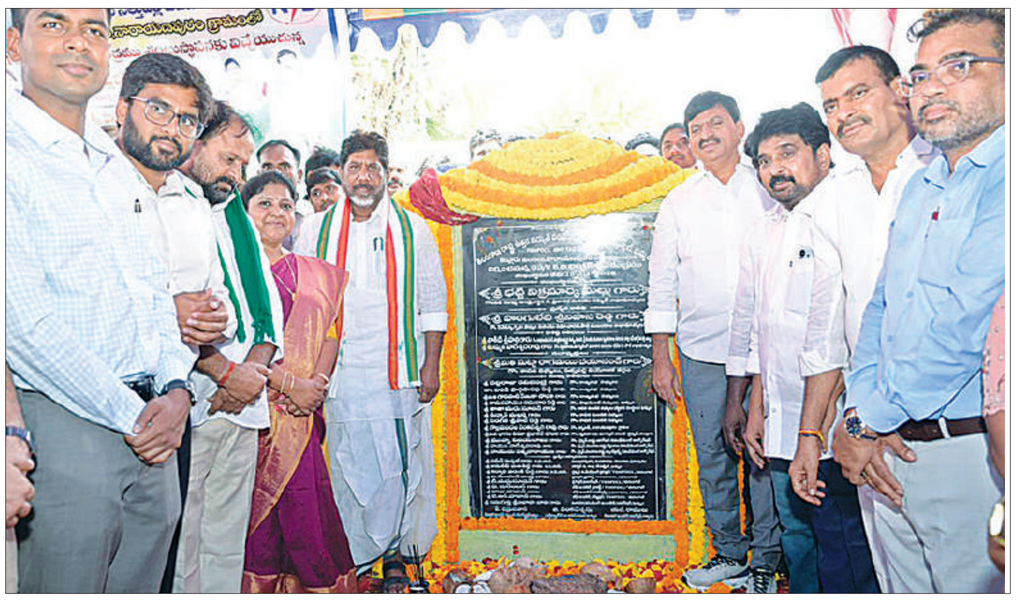

**खम्मम, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को खम्मम जिले के सथुपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में पुलिगुंडला इको-पर्यटन परियोजना का उद्घाटन किया, जिसमें कॉटेज, नौकायन और जंगल सफारी सहित प्रमुख सुविधाओं का अनावरण शामिल है।

उपमुख्यमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए पर्यटन को एक प्रमुख विकास क्षेत्र के रूप में विकसित करने पर राज्य सरकार के ध्यान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना की प्राकृतिक सुंदरता को विश्व के सामने प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है और याद दिलाया कि सत्ता संभालने के बाद पहले ही बजट में इको-पर्यटन को प्राथमिकता दी गई थी।

उन्होंने स्थानीय विधायक मट्टा रागमयी दयानंद के अनुरोध पर पुलिगंडाला परियोजना के लिए कुल चार करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की जिसमें से दो करोड़ रुपये ग्रीन फंड से और शेष दो करोड़ रुपये कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से दिए जाएंगे।

श्री विक्रमार्क ने कनकगिरी से परियोजना स्थल तक दोहरी सड़क बनाकर कनेक्टिविटी में सुधार लाने वाली योजना का भी खुलासा किया और जिला कलेक्टर को तत्काल प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को स्पष्ट समयसीमा निर्धारित करने और कार्यों के शीघ्र निष्पादन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके फायदों पर उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्थानीय ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी और पर्यटकों की संख्या बढ़ाकर आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देगी, जिससे क्षेत्र के होटलों और एवं व्यवसायों को लाभ होगा।

सतत विकास पर बल देते हुए उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि पर्यटन पहलों से प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने तेलंगाना में पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और पुलिगंडाला, कनकगिरी पहाड़ियों और कल्लू पहाड़ियों को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में एकीकृत करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र जल्द ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार बिना किसी देरी के सभी आवश्यक धनराशि स्वीकृत करेगी और सभी हितधारकों से राज्य के लिए गौरव का विषय बनने वाली इस परियोजना को सामूहिक रूप से विकसित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, विधायक मट्टा रागमयी दयानंद और मालोथ रामदास नाइक, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरिशेट्टी, वरिष्ठ वन अधिकारी और अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिला बाइक रैली, रामचंद्र राव ने सुधारों की सराहना की

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने बुधवार को शहर में महिलाओं के नेतृत्व वाली बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लागू होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गयी थी, जो संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है।

यह अधिनियम 2023 में ही बन गया था, हालांकि गुरुवार से शुरू हो रहे संसद के सत्र में इसमें संशोधन हो सकते हैं। इसके मद्देनजर यह रैली आयोजित की गयी थी। नारायणगुडा स्थित केशव मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भाजपा महिला मोर्चा और भाजपा युवा मोर्चा आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मीडिया से बातचीत में रामचंद्र राव ने अधिनियम को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में ऐतिहासिक सुधार बताया। उन्होंने कहा कि यह विधायी और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कदम सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के लिए सार्थक प्रतिनिधित्व की गारंटी देता है। उन्होंने उल्लेख किया कि 33 प्रतिशत आरक्षण दशकों की देरी और अधूरे वादों के अंत का प्रतीक है, जो महिलाओं के सशक्तीकरण के नये चरण की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में बढ़ते प्रतिनिधित्व के साथ, महिलाएं कानूनों और नीतियों को आकार देने में अधिक निर्णायक भूमिका निभायेंगी।

महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के हकीकत बनने पर जोर देते हुए, श्री राव ने कहा कि यह पहल एक मजबूत, अधिक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि संप्रग शासन में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे उसके सहयोगियों ने भी इस विधेयक का समर्थन नहीं किया था, जो राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी दर्शाता है।

उन्होंने विश्वास जताया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तीकरण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रैली के समापन पर प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त कर किया और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

# हैदराबाद के विरासत स्थलों का होगा वैश्विक कायाकल्प : जुपल्ली कृष्णा राव

**हैदराबाद 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना सरकार हैदराबाद के प्रतिष्ठित विरासत स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने बुधवार को शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण करने के बाद यह जानकारी दी।मंत्री ने चारमीनार क्षेत्र और चौमहला पैलेस का दौरा कर वहां चल रहे संरक्षण और विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ चारमीनार के विधायक मीर जुल्फिकार अली और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने संरक्षण के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण ने ऐतिहासिक मछली कमान के नवीनीकरण के लिए 3.64 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिसके लिए जल्द ही निविदाएं जारी की जाएंगी। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को शेर-ए-बातिल कमान के जीर्णोद्धार और चारमीनार के पास स्थित फव्वारे के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए ताकि पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके।श्री कृष्णा राव ने कहा कि नई पर्यटन नीति के तहत राज्य भर में पर्यटन विकास को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। इसमें बुनियादी ढांचे में सुधार, राजस्व बढ़ाने और स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार पैदा करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हैदराबाद की समृद्ध विरासत को सहेजने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि शहर को एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया ताकि अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या को बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

# चमाला किरण रेड्डी ने भाजपा पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर दुर्भावनापूर्ण प्रचार का आरोप लगाया

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने का आरोप लगाया।

एक वीडियो बयान में सांसद ने कहा कि संसदीय क्षेत्रों के विस्तार और महिला आरक्षण के कार्यान्वयन पर वर्तमान में देशव्यापी बहस चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया था, तो इसे सभी राजनीतिक दलों का सर्वसम्मत समर्थन मिला था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणियों का हवाला देते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि श्री खरगे ने परिसीमन और महिला आरक्षण पर संसद का विशेष सत्र आयोजित करने से पहले सभी हितधारकों के विचार जानने के लिए पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव पूरे होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने का सुझाव दिया था।

श्री रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि परिसीमन और महिला आरक्षण के कार्यान्वयन पर चर्चा में सभी राजनीतिक दलों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने उल्लेख किया कि केंद्र ने पहले संकेत दिया था कि आरक्षण नीति लागू करते समय 2026 की जनगणना पर विचार किया जाएगा। सांसद ने कहा कि सभी 543 संसदीय क्षेत्रों में महिला आरक्षण का विस्तार करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि आनुपातिक परिसीमन से दक्षिणी और छोटे राज्यों के साथ गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने बताया कि दक्षिणी राज्य पहले से ही फंड आवंटन में वित्तीय नुकसान का सामना कर रहे हैं।केंद्र की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए श्री रेड्डी ने पूछा कि आम सहमति बनाने के लिए कुछ और दिन इंतजार करने में क्या हर्ज है। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के संतुलित फॉर्मूले का उल्लेख किया, जिसमें 50 प्रतिशत आवंटन जनसंख्या के आधार पर और 50 प्रतिशत आर्थिक विकास के आधार पर करने का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पाँच राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजे गए हैं।सांसद ने संसदीय सीटों को बढ़ाकर 850 करने के प्रस्ताव की खबरों पर भी चिंता व्यक्त की और इसे भ्रामक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र संसद में अपनी संख्याबल के दम पर अपना एजेंडा थोपने की कोशिश कर रहा है।

श्री रेड्डी ने प्रश्न करते हुए कहा कि क्या 2026 की जनगणना परिसीमन का आधार होगी और दोहराया कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण की विरोधी नहीं है।सांसद ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद उनका रुख और स्पष्ट हो जाएगा।

# रेवंत एवं टीपीसीसी के अध्यक्ष के बीच पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों के लेकर विचार-विमर्श

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के बीच जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर पार्टी के संगठनात्मक एवं प्रशासनिक मुद्दों को लेकर बुधवार को साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक बैठक चली।

बैठक में कांग्रेस की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने भी भाग लिया। नेताओं ने टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्षों, सचिवों और अन्य संगठनात्मक पदों की नियुक्ति के साथ-साथ मंडल समितियों और बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए-2) के माध्यम से जमीनी स्तर पर पार्टी संरचना को मजबूत करने पर भी विस्तृत बातचीत की।

बैठक में केंद्र के चल रहे परिसीमन अभ्यास के जवाब में पार्टी द्वारा अपनायी जाने वाली रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

# गैर बराबरी खत्म करने का साम्यवाद ही एकमात्र रास्ता : भाकपा

**हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के तेलंगाना राज्य सहायक सचिवों तक्कलापल्ली श्रीनिवास राव और ई.टी. नरसिम्हा ने बुधवार को जोर देकर कहा कि असमानता मुक्त समाज केवल साम्यवाद के सिद्धांतों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थागत बदलावों का आह्वान किया।

ये नेता हिमायतनगर के राज बहादुर गौड़ हॉल में दलित अधिकार संघर्ष समिति (डीएचपीएस) के दूसरे राज्य सम्मेलन का लोगो संयुक्त रूप से जारी करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती आर्थिक और सामाजिक असमानताओं के लिए शासन के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्याय और समानता की गारंटी के लिए मौजूदा प्रशासनिक प्रणालियों में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने दलितों की दुर्दशा का उल्लेख करते हुए कहा कि कानूनी सुरक्षा उपायों के बावजूद भेदभाव और अन्याय जारी है।

नेताओं ने कहा, सिर्फ कानून ही काफी नहीं हैं, सामाजिक चेतना का उदय होना चाहिए। उन्होंने दलित अधिकारों की लड़ाई में डीएचपीएस जैसे संगठनों के महत्व पर जोर दिया।

भाकपा नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि भूमि स्वामित्व, शिक्षा और रोजगार में समानता के बिना सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हालांकि संवैधानिक अधिकार मौजूद हैं, लेकिन जमीन पर उनका क्रियान्वयन अपर्याप्त है। निरंतर प्रयासों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक और वर्ग संघर्ष दोनों ही आवश्यक हैं।

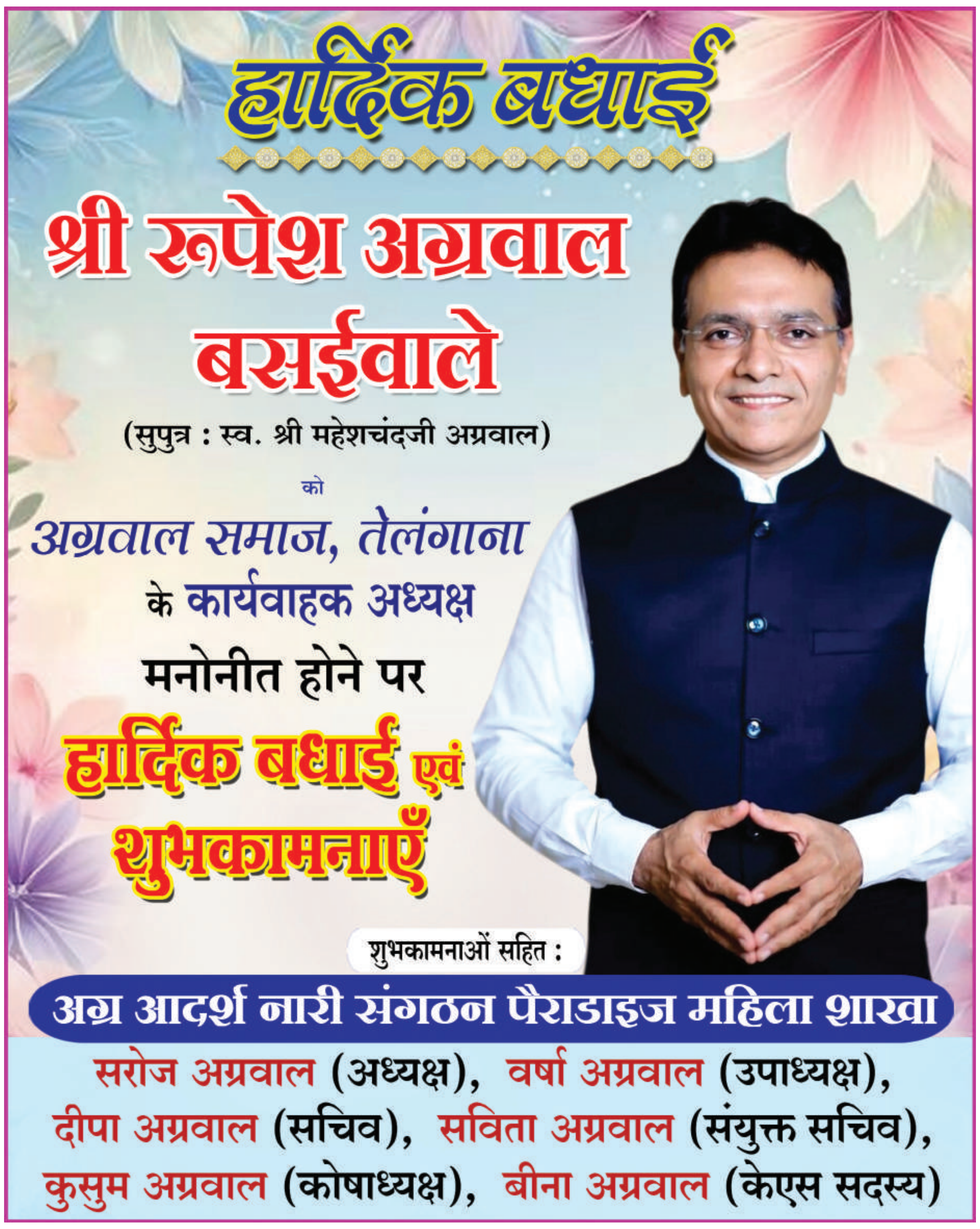


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.